केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

# मालवा हेराल्ड

**सुविचार**

*अपने ही किरदार से महकता है इंसान, चरित्र को पवित्र करने का कोई इत्र नही आता*

वर्ष : 17 अंक : 28 | उज्जैन, बुधवार 08 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

## न्यूज ब्रीफ

### आईआईएम बैंगलोर ने भी देश से बाहर भरी उड़ान, इंडोनेशिया में खोलेगा अपना कैंपस

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के बाद अब आईआईएम बैंगलोर ने भी देश से बाहर अपने कदम बढ़ाए है। जो इंडोनेशिया में अपना पहला विदेशी कैंपस खोलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने इंडोनेशिया दौरे के दौरान इसका एलान किया है। साथ ही कहा है कि इस परिसर का व्यापक लाभ आसियान क्षेत्र के युवाओं को मिलेगा। आईआईएम अहमदाबाद ने पिछले साल यानी सितंबर 2025 में दुबई में अपना विदेशी कैंपस शुरू किया है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, IIM बैंगलोर का यह कैंपस इंडोनेशिया के मलंग में सिंघासारी विशेष आर्थिक क्षेत्र ( एसईजेड) में स्थापित होगा। इस पहल को भारत की उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में एक बड़ा व महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पहले अबूधाबी में IIT दिल्ली व जांजीबार में IIT मद्रास भी अपना कैंपस खोल चुके है। इंडोनेशिया में प्रस्तावित IIT बैंगलोर के इस परिसर में एआई, जलवायु व स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन, डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे भविष्य की जरूरत वाले पाठ्यक्रमों को पढ़ाया जाएगा। इन प्रस्तावित पाठ्यक्रमों को उद्योग जगत के शीर्ष स्तर के प्रमुखों व विख्यात शिक्षाविदों आदि के साथ संवाद के जरिए और समृद्ध किया जाएगा। IIT बैंगलोर के प्रस्तावित कार्यक्रमों को दो चरणों में अमल में लाया जाएगा। इसके प्रथम चरण में वरिष्ठ अधिकारियों, व्यापारिक नेताओं और सार्वजनिक क्षेत्र के पेशेवरों को लक्ष्य करके उच्च गुणवत्ता वाले प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे। पहले दो वर्षों में पहले चरण के ठीक तरीके से लागू होने के बाद दूसरे चरण में प्रबंधन से जुड़े डिग्री कोर्स शुरू किए जाएंगे।

### असम की बराक घाटी बनी काल, 3 महीने में 148 नवजात शिशुओं की मौत

**गुवाहाटी/ जीएनएस।** असम के सिलचर में पिछले तीन महीनों में बराक घाटी में 148 नवजात शिशुओं की मौत हुई है। इन मामलों के सामने आने से मां और नवजात शिशु की हेल्थकेयर में लगातार बनी हुई कमियां सामने आई हैं। बराक घाटी में खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहां देर से रेफरल, खराब इंफ्रास्ट्रक्चर और स्पेशलाइज्ड सुविधाओं की कमी है, इससे लोगों की जान जा रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इन तीन महीनों में कछार में सबसे ज्यादा नवजात शिशुओं की मौत हुई है, यहां मौत का आंकड़ा 74 पर पहुंच गया है। इसके बाद श्रीभूमि में 49 और हैलाकांडी में 25 मौतें हुईं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इन मौतों का मुख्य कारण जन्म के समय सांस लेने में दिक्कत (बर्थ एस्फिक्सिया), जन्म के समय शिशुओं का बहुत कम वजन, नवजात शिशुओं में गंभीर संक्रमण और दूर-दराज के इलाकों से गंभीर रूप से बीमार बच्चों को बड़े मेडिकल सेंटरों में ले जाने में देरी को बताया है। श्रीभूमि में स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निदेशक मतिंद्र सूत्रधार ने नवजात शिशुओं की मौत पर कहा कि खराब सड़क संपर्क और बाहरी स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर देखभाल की सुविधाओं की कमी के कारण नवजात शिशुओं इलाज मिलने में अक्सर देरी हो जाती है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने इन मौतों का मुख्य कारण मेडिकल जटिलताओं को बताया है, लेकिन स्थानीय लोगों और हेल्थकेयर एक्टिविस्ट का कहना है कि हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर की खराब हालत ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। श्रीभूमि के रामकृष्णनगर सब-डिविजन में लोगों का आरोप है कि दुल्लावचेरा मॉडल अस्पताल और रामकृष्णनगर ब्लॉक प्राइमरी हेल्थ सेंटर दोनों में ही अल्ट्रासाउंड और सिजेरियन सेक्शन की सुविधा नहीं है।

## केन्द्रीय गृह मंत्री की पहल पर महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच दशकों से जारी विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान हुआ

**प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जल सुरक्षा को मजबूत करने और जल क्षेत्र में सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने के लिए कई ऐतिहासिक पहल**

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की मौजूदगी में बीच नर्मदा अवार्ड लाभार्थी राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच लंबित भुगतान के निपटारे पर ऐतिहासिक समझौता हो गया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल की उपस्थिति में आज नई दिल्ली में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़णवीस, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। बैठक में केन्द्र एवं चारों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

यह समझौता मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र राज्यों द्वारा सरदार सरोवर परियोजना के निर्माण के लागत साझाकरण के मुद्दों से जुड़े दीर्घकालिक विवादों को समाप्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, जिसके तहत लंबित देयों के अंतिम निपटान के रूप में किए जाने वाले भुगतानों को एकमुश्त निपटान (वन-टाइम सेटलमेंट) के रूप में हल किया गया है।

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच लंबे समय से नर्मदा अवॉर्ड के लंबित भुगतान का विवाद चल रहा था, जिसका आज सौहार्दपूर्ण समाधान निकल गया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जल सुरक्षा को मजबूत करने और जल क्षेत्र में सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने के लिए कई ऐतिहासिक पहल की गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में अनेक राज्यों में डबल इंजन सरकार बनने का लाभ यह हुआ है कि हम में एक-दूसरे को समझने की क्षमता बढ़ी है, राजनीतिक मुद्दे कम हुए हैं और देश के अनेक विवाद अब तेजी से सुलझाए जा रहे हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस महत्वपूर्ण अंतर-राज्यीय परियोजना पर आम सहमति बनाने में मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र की सरकारों द्वारा दिए गए रचनात्मक सहयोग की सराहना की। श्री शाह ने कहा कि इस परियोजना से विशेषकर मध्य प्रदेश, गुजरात तथा राजस्थान को बहुत लाभ हुआ। बांध पूरा होने से इन राज्यों में हर जगह पानी और बिजली पहुंची। उन्होंने कहा कि राजस्थान को हुआ लाभ दिखने में छोटा लग सकता है, पर जिस भूमि तक नर्मदा का पानी पहुंचा है, वहां भूमि का मूल्य और किसान की किस्मत दोनों बदल गई है।

गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल जी के नेतृत्व में देश में चल रहे जल विवाद या जल वितरण से जुड़े विवाद एक-एक कर सुलझाए जा रहे हैं। पिछले दिनों हरियाणा और राजस्थान के बीच का जल विवाद सुलझाया गया। श्री शाह ने कहा कि चाहे किशाऊ बांध परियोजना का मुद्दा हो या राजस्थान, हरियाणा के बीच जल विवाद हो या आज का यह समझौता, ये सभी सहकारी संघवाद के स्वर्णिम उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि चाहे गुजरात हो, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा या महाराष्ट्र, पानी देश के लोगों, खासकर किसानों के ही काम आता है। श्री शाह ने कहा कि पानी का उपयोग चाहे देश के किसी भी हिस्से में हो उससे लाभान्वित होने वाला एक भारतीय ही होगा

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि किसी भी विवाद से होने वाले राष्ट्रीय नुकसान को ध्यान में रख कर उसे सुलझाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पड़ोसी राज्य समृद्ध होता है, तो उसका लाभ अपने राज्य को भी मिलता है।

### बिजली सेक्टर में चीनी कंपनियों को राहत, सरकारी खरीद में ले सकेंगी हिस्सा

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के बाद बिजली सेक्टर से जुड़ी चीन की कंपनियों के लिए सरकार ने अपने रुख में बदलाव किया है। बिजली सेक्टर के निर्माण कार्य से जुड़ी चीन की चार कंपनियां अब सरकारी खरीदारी से जुड़े टेंडर में भाग ले सकेंगी।

भारत में अपनी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट रखने वाली चीन की टीबीईए एनर्जी, ननजिंग इलेक्ट्रिक इंडिया, न्यू नार्थईस्ट इलेक्ट्रिक इंडिया और ताइकाई इलेक्ट्रिक इंडिया को अगले दो साल के लिए सार्वजनिक कंपनियों की खरीदारी में हिस्सा लेने की इजाजत दी गई है।

कुछ माह पहले सरकार ने चीन की इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों को भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों में बिना सरकारी मंजूरी के 10 प्रतिशत तक के निवेश की इजाजत दी थी। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां ने पिछले साल दिसंबर में सरकार से इस प्रकार के इजाजत की गुजारिश की थी।

गलवान में चीन के साथ संघर्ष के बाद सरकार ने सीमा से लगे देश की कंपनियों द्वारा भारत में निवेश के लिए सरकार की मंजूरी को अनिवार्य कर दिया था। उसके बाद से चीन की कंपनियों के निवेश रुक गए थे। जिन चार कंपनियों को सरकारी खरीद में हिस्सा लेने की इजाजत दी गई है, वे मुख्य रूप से बिजली सेक्टर में ट्रांसमिशन से जुड़े निर्माण कार्य करती है। बिजली मंत्रालय की गुजारिश पर वित्त मंत्रालय ने इन चार कंपनियों के लिए नियम में बदलाव किया है।

विदेश व्यापार जानकारों का कहना है कि चीन के साथ व्यापारिक रुख में इस बदलाव का फायदा भारत को भी मिलता दिख रहा है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के अप्रैल व मई माह में चीन होने वाले निर्यात में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले क्रमशः 24 और 25.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में चीन होने वाले निर्यात में वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 36.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। चीन भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया है। हालांकि भारत का व्यापार घाटा चीन के साथ 110 अरब डॉलर से अधिक का है। पिछले वित्त वर्ष में भारत ने चीन में 19.47 अरब डॉलर का निर्यात किया था।

### E20 पेट्रोल से इंजन खराब होने के दावे खारिज, हरदीप पुरी बोले- सर्विस के बाद कोई दिक्कत नहीं

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** देशभर में E20 इथेनोल-ब्लेंडेड पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर चर्चा चल रही है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज मंगलवार, 7 जुलाई को सोशल मीडिया पर E20 इथेनोल से जुड़ी अफवाहों पर अपनी बात रखी।

हरदीप सिंह पुरी ने इस फ्यूल के इस्तेमाल के लिए बनी गाड़ियों में इसकी परफॉर्मेंस को लेकर जताई जा रही चिंताओं को लेकर कहा कि इन सभी बातों का कोई सबूत नहीं है।

E20 पर पेट्रोलियम मंत्री ने दी सफाई- सोशल मीडिया पर E20 पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर बहस छिड़ी हुई है। ग्राहक गाड़ियों का माइलेज कम होने और इंजन खराब होने का आरोप लगा रहे हैं। साथ ही, ऐसी अटकलें भी हैं कि सरकार जल्द ही इथेनोल मिलाने का लेवल 20 प्रतिशत से ज्यादा कर सकती है।

पत्रकारों से बात करते हुए पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि E20 को लेकर जताई जा रही चिंताएं सबूतों पर नहीं, बल्कि गलत जानकारी पर आधारित हैं।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा, यह एक गलतफहमी है और मैं इससे कड़े शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहता। सड़कों पर 20 करोड़ दो-पहिया वाहन और 20 लाख चार-पहिया वाहन हैं जो इस फ्यूल का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियां और इन गाड़ियों की सर्विस करने वाले लोग, सभी कहते हैं कि कोई दिक्कत नहीं है। अचानक यह दिलचस्पी क्यों?

पुरी ने कहा, हम पिछले साढ़े तीन साल से श्व15 का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम पिछले साल अप्रैल से श्व20 का इस्तेमाल कर रहे हैं। अप्रैल 2025 से अप्रैल 2026 तक, एक साल बीत चुका है और अब हम उससे भी पांच महीने आगे निकल चुके हैं। पेट्रोलियम मंत्री ने उन अटकलों पर भी बात की जिनमें कहा जा रहा था कि सरकार ज्यादा इथेनोल वाले पेट्रोल को लाने की तैयारी कर रही है।

## डिफेंस स्टार्टअप, एआरडीई ने केवल 100 दिनों में विकसित की स्वदेशी राइफल

**हैदराबाद/ जीएनएस।** रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। छोटे स्टार्टअप भी डीआरडीओ के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हथियारों को विकसित करने की क्षमता साबित कर रहे हैं।

रक्षा स्टार्टअप द्वीपा डिफेंस ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के एआरडीई के सहयोग से केवल 100 दिनों के रिकॉर्ड समय में उग्रम नामक स्वदेशी बैटल राइफल विकसित की है। इस राइफल ने सेना और गृह मंत्रालय के जरूरी ट्रायल भी पूरे कर लिए हैं।

उग्रम 7.62×51 मिमी की युद्धक राइफल है। यह इंसास राइफल की तुलना में अधिक घातक और शक्तिशाली है। यह राइफल 500 मीटर की सटीक दूरी तक दुश्मन को निशाना बनाने में सक्षम है। उग्रम में आधुनिक गैस-ऑपरेटेड रोटेटिंग बोल्ट सिस्टम है, इसका वजन चार किलोग्राम से कम है। इसे सैनिकों के लिए आसानी से इस्तेमाल करने लायक बनाया गया है।

कंपनी के अनुसार, यह राइफल भरोसे और टिकाऊपन का व्यापक परीक्षण में अपनी क्षमता साबित की है। सफल परीक्षणों के बाद, सीआरपीएफ, एनएसजी और आइटीबीपी सहित कई केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में इस राइफल की खरीद की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।

द्वीपा के मैनेजिंग डायरेक्टर सिबू जोसेफ के अनुसार, राइफल ने आर्मी जनरल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट (जीएसक्यूआर) ट्रायल, सभी तरह के मौसम में बड़े पैमाने पर फील्ड टेस्ट और गृह मंत्रालय बोर्ड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

2018 में स्थापित स्टार्टअप द्वीपा डिफेंस को 2021 में मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस मिला था। कंपनी ने अब तक 100 से ज़्यादा स्वदेशी हथियार प्रणालियां और उनके वैरिएंट विकसित किए हैं। द्वीपा का मानना है कि उग्रम के विकास से आयातित छोटे हथियारों पर भारत की निर्भरता कम होगी।

### हाई-वे की गुणवत्ता के नियमों में बदलाव, प्रोजेक्ट से टेंडर तक पर निगरानी

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग की परियोजनाओं में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं चाहती, लेकिन ठेकेदार प्रतिस्पर्धा में कम से कम मूल्य पर भी टेंडर पाने में संकोच नहीं कर रहे। निर्धारित सीमा से कम बोली पर अतिरिक्त परफॉर्मेंस गारंटी के पूर्व में लागू नियम का खास असर न देखते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अब नियमों को और सख्त कर दिया है।

टेंडर के आधार मूल्य से तीस प्रतिशत कम बोली लगाने पर अब तीन प्रतिशत की एडीशनल परफॉर्मेंस गारंटी को फिर लागू करते हुए इसमें प्रत्येक प्रतिशत की गिरावट के साथ 0.5 प्रतिशत की वृद्धि का भी प्रविधान कर दिया है।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने हाल ही में एडीशनल परफॉर्मेंस गारंटी को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी करते हुए इन्हें तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। इसमें कहा गया है कि निविदा के आधार मूल्य से तीस प्रतिशत से कम बोली लगाने वाली ठेकेदार फर्म को अब कुल निविदा मूल्य के तीन प्रतिशत के अलावा इस सीमा से नीचे प्रत्येक प्रतिशत पर 0.5 प्रतिशत की दर से एडीशनल परफॉर्मेंस गारंटी जमा करनी होगी।

## ब्राह्मोस, EVM और साबांग पोर्ट... भारत-इंडोनेशिया का मास्टरस्ट्रोक, 14 समझौतों से चीन को घेरने की तैयारी

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक रणनीति के खिलाफ अपनी-अपनी सुरक्षा को चाक-चौबंद करने में जुटे भारत और इंडोनेशिया ने मंगलवार को कुछ ऐसे रक्षा समझौते किये हैं जो इन दोनों देशों को रणनीतिक तौर पर और करीब लाने जा रहा है। इंडोनेशिया ने भारत से ब्राह्मोस मिसाइल और हवा से हवा में मार करने वाले अस्त्र मिसाइलों की आपूर्ति करने का समझौता किया है।

पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति प्रोबोवो सिबियातो के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में यह फैसला किया गया कि दोनों देशों के बीच रक्षा उद्योग व प्रौद्योगिकी आपसी सहयोग के दो सबसे प्राथमिकता वाले क्षेत्र होंगे जिसके तहत संयुक्त उत्पादन व सहविकास किया जाएगा, एक दूसरे से तकनीकी साझा की जाएगी, एक दूसरे की क्षमताओं को मजबूत बनाने में मदद की जाएगी।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में जहाजों के आवागमन के लिए बेहद महत्वपूर्ण मल्लका जल मार्ग की निगरानी को लेकर भी दोनों देशों ने कदम आगे बढ़ा दिए हैं। इंडोनेशिया में साबांग पोर्ट को दोनों देश मिल कर विकसित करने पर भी सहमत हुए हैं।

इंडोनेशिया की यात्रा के दौरान राजधानी जकार्ता में पीएम मोदी का मंगलवार को राजकीय सम्मान किया गया। बाद में भारतीय पीएम और इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के बीच शिखर वार्ता हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच कुल 14 समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये।

इनमें ब्राह्मोस, अस्त्र मिसाइल, समुद्री सुरक्षा, रक्षा क्षेत्र से जुड़े समझौतों के अलावा दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति, स्वास्थ्य व कृषि जैसे क्षेत्र में समझौते हुए। चुनाव आयोग से जुड़े समझौते के मुताबिक भारत की मदद से इंडोनेशिया में इवीएम से चुनाव कराने की सुविधा बनाई जाएगी।

## रक्षा, व्यापार और निवेश... पीएम मोदी का एक्ट ईस्ट नीति पर जोर, तीन देशो के दौरे से भारत को कितना होगा फायदा?

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को जकार्ता पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया।

इंडोनेशिया की सीमा में प्रवेश करने के बाद वहां की वायुसेना के विमानों ने मोदी के विमान को एस्कार्ट किया। एयरपोर्ट पर विदेश मंत्री, पैलेस मंत्री, कैबिनेट सचिव समेत चार अन्य इंडोनेशियाई मंत्री भी मौजूद थे।

भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी- यह यात्रा भारत-इंडोनेशिया के मजबूत रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाली मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पूर्वी और दक्षिणी हिंद महासागर में स्थित इन तीनों देशों की यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट पालिसी और महासागर विजन को मजबूत करेगी। यह स्वतंत्र, खुले और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के भारत के दृष्टिकोण को सशक्त बनाएगी। मोदी इंडोनेशिया की संसद को भी संबोधित करेंगे।

मोदी ने अपने बयान में कहा, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति श्री प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर मैं छह से आठ जुलाई तक इंडोनेशिया की यात्रा पर रहूंगा। वर्ष 2018 में मेरी पहली इंडोनेशिया यात्रा के दौरान भारत-इंडोनेशिया ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। उसके बाद यह मेरी पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।

मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति सुबियांतो के बीच शिखर बैठक होगी। यात्रा के दौरान मोदी इंडोनेशिया में रहने वाले भारतीय प्रवासियों से मुलाकात करेंगे और राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ योग्याकार्ता स्थित प्रांबनन मंदिर परिसर का दौरा करेंगे, जो दोनों देशों के घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है।

मंगलवार की बैठक में डिजिटल भुगतान व रक्षा संबंधों को लेकर कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा होगी और संभवतः समझौते भी होंगे। यह यात्रा राष्ट्रपति सुबियांतो की भारत यात्रा (जनवरी-2025, गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि) के बाद हो रही है।

# जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर ने सुनी 110 लोगों की समस्याएं, त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश



**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर में आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में मंगलवार को पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल एवं उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आयोजित जनसुनवाई के दौरान पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक की व्यथा को गंभीरता से सुनते हुए मामलों के शीघ्र निराकरण पर जोर दिया।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई में इस बार कुल 110 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें सबसे अधिक मामले बेटा-बहू, पति-पत्नी और अन्य पारिवारिक विवादों, आपसी मतभेद, पैसों के लेन-देन, दुकान पर कब्जा, वित्तीय धोखाधड़ी, प्लॉट, मकान और जमीन से जुड़े विवाद, महिला अपराध तथा पुलिस कार्रवाई से संबंधित शिकायतों के रहे।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। कई मामलों में उन्होंने अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि पीड़ितों को जल्द से जल्द न्याय मिल सके।

जनसुनवाई के दौरान शहर के सभी जोन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना और कई मामलों में तत्काल कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी। पुलिस कमिश्नर ने आमजन को भरोसा दिलाया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पारिवारिक और आपसी विवादों के समाधान के लिए पुलिस द्वारा मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से लगातार काउंसलिंग भी कराई जा रही है, जिससे विवादों का शांतिपूर्ण और शीघ्र समाधान संभव हो सके। इंदौर पुलिस का मानना है कि नियमित जनसुनवाई और त्वरित कार्रवाई से आमजन का पुलिस पर विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

# AMRUT 2.0 के तहत इंदौर में घर-घर होगा पेयजल सर्वे, नागरिकों से सहयोग की अपील

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर नगर निगम शहर में बेहतर जलापूर्ति व्यवस्था और सभी नागरिकों तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से स्न्क्रज्ञ 2.0 योजना के तहत घर-घर सर्वेक्षण अभियान शुरू करने जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित अटल मिशन फॉर रीजूवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (स्न्क्रज्ञ) 2.0 के अंतर्गत यह सर्वे किया जाएगा, जिससे शहर की वर्तमान और भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं का वैज्ञानिक आकलन किया जा सके।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि हाल ही में आयोजित समीक्षा बैठक में अमृत 2.0 परियोजना के पैकेज क्रमांक-3 और 4 के अंतर्गत शहर में विभिन्न स्थानों पर नई पेयजल टंकियों के निर्माण और वितरण पाइपलाइन बिछाने के कार्यों की समीक्षा की गई थी। इसी के तहत अधिकारियों को डोर-टू-डोर सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सर्वेक्षण के दौरान नगर निगम द्वारा अधिकृत सर्वे दल प्रत्येक वार्ड में घर-घर जाकर पेयजल उपलब्धता, जलापूर्ति की स्थिति, पानी की खपत, नागरिक सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक जानकारियां एकत्रित करेगा। इन आंकड़ों के आधार पर शहर की मौजूदा जरूरतों के साथ-साथ भविष्य की जलापूर्ति योजनाओं को तैयार किया जाएगा, ताकि हर नागरिक तक पर्याप्त और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे सर्वेक्षण दल को सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं तथा सर्वे कार्य में पूरा सहयोग करें। निगम ने स्पष्ट किया है कि सभी अधिकृत सर्वेक्षक पहचान पत्र के साथ ही घर-घर पहुंचेंगे।

यदि किसी नागरिक को सर्वेक्षण दल की पहचान को लेकर कोई शंका हो तो वह संबंधित वार्ड कार्यालय या नगर निगम हेल्पलाइन से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकता है।

नगर निगम के अनुसार यह सर्वेक्षण पूरी तरह जनहित में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य इंदौर को जल-सुरक्षित, स्वच्छ और सतत विकास वाला शहर बनाना है। स्न्क्रज्ञ 2.0 योजना के माध्यम से हर शहरी परिवार तक सुरक्षित पेयजल पहुंच सुनिश्चित करने और भविष्य की जल आवश्यकताओं के अनुरूप मजबूत आधारभूत ढांचा विकसित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

# इंदौर में वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा, आयुक्त ने रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का किया निरीक्षण



**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर नगर निगम शहर में वर्षा जल संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए लगातार रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित कर रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने जोन क्रमांक-8 के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर पुराने बंद बोरवेल को रिचार्ज शाफ्ट में परिवर्तित कर बनाए गए रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तथा नए निर्मित रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को इनके नियमित रखरखाव के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने चिकित्सक नगर उद्यान और महालक्ष्मी नगर ए सेक्टर उद्यान में बंद पड़े पुराने बोरवेल को परिवर्तित कर तैयार किए गए रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि इन व्यवस्थाओं के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण होगा, भूजल स्तर में सुधार आएगा और क्षेत्र में जलभराव की समस्या से भी राहत मिलेगी।

इसके बाद आयुक्त ने महालक्ष्मी नगर एमआर-4 उद्यान तथा महालक्ष्मी नगर एमआर-6 स्थित दो उद्यानों में बनाए गए तीन नए रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए गए हैं, वहां नियमित निगरानी रखी जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्षा का पानी बिना किसी बाधा के रिचार्ज शाफ्ट तक पहुंचे। यदि पाइपलाइन में मिट्टी, कचरा या अन्य अवरोध जमा हो जाए तो उसकी तत्काल सफाई कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक वर्षा जल भूजल रिचार्ज में उपयोग हो सके।

नगर निगम के अनुसार पहले महालक्ष्मी नगर और चिकित्सक नगर के बीच स्थित नाले में वर्षा का पानी व्यर्थ बह जाता था, लेकिन अब रिचार्ज शाफ्ट बनने से वही पानी जमीन में समाहित होकर भूजल स्तर बढ़ाने में सहायक होगा। साथ ही जलभराव की समस्या भी काफी हद तक कम होगी।

# इंदौर पुलिस के 18 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित, उत्कृष्ट कार्य के लिए पुलिस कमिश्नर ने किया पुरस्कृत



**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में बेहतर पुलिसिंग को बढ़ावा देने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से शुरू किए गए साप्ताहिक सम्मान कार्यक्रम के तहत सोमवार को 18 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पलासिया स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार प्रदान कर सभी सम्मानित पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि आम नागरिकों को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित करना विभाग की प्राथमिकता है। इस पहल का उद्देश्य पुलिस बल का मनोबल बढ़ाना और बेहतर कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।

सम्मानित पुलिसकर्मियों में तेजाजी नगर थाना के निरीक्षक देवेंद्र मरकाम एवं प्रधान आरक्षक मनीष बामोरे को सड़क दुर्घटना के मामलों में श्व-छ्ठक्रप्रणाली के माध्यम से पीड़ितों को राहत योजना का लाभ दिलाने और त्वरित कार्रवाई के लिए सम्मानित किया गया। एरोड्रम थाना के उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह मेहता, प्रधान आरक्षक विलियम सिंह बघेल और आरक्षक जोगेश लश्करी को एक दर्ज अपराध में आरोपी की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर पुरस्कृत किया गया।

लसूड़िया थाना के निरीक्षक राजकुमार यादव को चोरी की वारदात का खुलासा कर आरोपी की गिरफ्तारी और चोरी गया माल बरामद करने के लिए सम्मानित किया गया। विजय नगर थाना के उप निरीक्षक अजय सिंह, आरक्षक कमल और राधेश्याम को लखनऊ और देहरादून से आरोपियों को गिरफ्तार करने में सराहनीय योगदान देने पर पुरस्कार प्रदान किया गया।

अपराध शाखा के आरक्षक अमित यादव और इंदर सिंह को 53 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए सम्मानित किया गया। वहीं अपराध शाखा के आरक्षक अशोक कुमार और कैलाश भावर को एमडी ड्रग्स की तस्करी करने वाले दो आरोपियों की गिरफ्तारी और 17 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद करने के लिए पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा शहर के प्रमुख चौराहों पर बेहतर यातायात प्रबंधन, वीवीआईपी ड्यूटी, नो-एंट्री और नो-पार्किंग क्षेत्रों में प्रभावी कार्रवाई तथा अवैध पार्किंग पर नियंत्रण स्थापित करने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले यातायात पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को नियमित रूप से सम्मानित किए जाने से न केवल उनका मनोबल बढ़ता है, बल्कि अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इंदौर पुलिस भविष्य में भी आमजन को बेहतर, संवेदनशील और प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए इसी तरह समर्पित भाव से कार्य करती रहेगी।

## स्वामी विवेकानंद भारतीय ज्ञान परंपरा के वाहक थे - मंत्री श्री परमार

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार ने इंदौर में स्थित एसजीएसआईटीएस परिसर में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही संस्थान की आधिकारिक AR SGSITS Navigation ऐप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री प्रकाश नावलेकर, एसजीएसआईटीएस के निर्देशक श्री निलेश पुरोहित, श्री चेतन सुखाड़िया, श्री नंदकुमार सकसेरिया विशेष रूप से उपस्थित थे।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री परमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने अपने कार्यों से पूर्वजों के ज्ञान को फिर से स्थापित किया। स्वामी विवेकानंद भारतीय ज्ञान परंपरा के सच्चे वाहक थे। मंत्री श्री परमार ने कहा हम सौभाग्यशाली है कि भारत में स्वामी विवेकानंद जैसे योद्धा सन्यासी ने जन्म लिया, जिनके 150 वर्षों के बाद भी हम उनके विचारों से प्रेरणा ले रहे हैं। स्वामी विवेकानंद केवल आध्यात्मिक, धार्मिक व्यक्तित्व ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी वे आगे थे। एक यात्रा के दौरान विवेकानंद और उद्योगपति जमशेद टाटा के साथ हुई वृहत चर्चा के बाद भारत में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की स्थापना हुई। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमारे यहां स्वामी विवेकानंद जैसे श्रेष्ठ महापुरुषों की प्रतिमाएं लगातार स्थापित होना चाहिए ताकि नई पीढ़ी उनसे प्रेरणा ले सकें। मंत्री श्री परमार ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणादायक प्रसंग साझा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आदर्शों, आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्सेवा की भावना को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इंदौर को देवी अहिल्याबाई के कार्यों पर गर्व है, जिन्होंने इंदौर के निर्माण में अपना अतुलनीय योगदान दिया।

श्री निलेश पुरोहित ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक प्रगति में स्वामी विवेकानंद का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने भारत को एक नई पहचान दी। श्री चेतन सुखाड़िया ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कालजयी व्यक्तित्व थे।

## क्रिकेटर व्यंकटेश अय्यर बने इंदौर पुलिस के 'Safe Click 2.0' अभियान का हिस्सा, नागरिकों से की साइबर सुरक्षा की अपील

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के 'Safe Click 2.0' साइबर जागरूकता अभियान को अब भारतीय क्रिकेटर व्यंकटेश अय्यर का भी समर्थन मिला है। अभियान से जुड़ते हुए उन्होंने नागरिकों से डिजिटल दुनिया में सतर्क और जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन लेन-देन, सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय हमेशा सावधानी बरतना आवश्यक है, क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी साइबर ठगी का कारण बन सकती है।

व्यंकटेश अय्यर ने लोगों से आग्रह किया कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर बिना जांच-पड़ताल के क्लिक न करें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंकिंग विवरण, ओटीपी, पासवर्ड या अन्य गोपनीय सूचनाएं किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुरक्षा केवल पुलिस या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सजगता से ही सुरक्षित साइबर वातावरण का निर्माण संभव है।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा संचालित 'Safe Click 2.0' अभियान का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाना और लोगों को ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड और अन्य साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना है। अभियान के तहत लगातार विभिन्न संस्थानों, स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इंदौर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि ऑनलाइन किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें, डिजिटल लेन-देन के दौरान पूरी सतर्कता बरतें और किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। इंदौर पुलिस का संदेश स्पष्ट है- करें सुरक्षित क्लिक, रहे सुरक्षित जीवन।

# सेफ क्लिक 2.0 अभियान: Zepto और Zomato डिलीवरी पार्टनर्स को दिलाई गई साइबर सुरक्षा की शपथ



**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के तहत नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 'द्गश्चह्लश्र और 'श्रद्बड्डह्लश्र के डिलीवरी पार्टनर्स को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य उन डिलीवरी पार्टनर्स को डिजिटल सुरक्षा का संदेशवाहक बनाना था, जो प्रतिदिन हजारों नागरिकों के संपर्क में रहते हैं।

कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़ ने डिलीवरी पार्टनर्स को संबोधित करते हुए कहा कि वे समाज के बड़े वर्ग तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड, फिशिंग लिंक, फर्जी लोन ऐप, स्क्रीन शेयरिंग ऐप, केवाईसी अपडेट के नाम पर होने वाली ठगी, क्यूआर कोड स्कैम और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों से बचाव के प्रभावी उपायों की विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्वयं साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा ग्राहकों को भी ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए जागरूक करें, ताकि सुरक्षित डिजिटल वातावरण का निर्माण किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान सभी डिलीवरी पार्टनर्स ने साइबर अपराधों से सतर्क रहने, किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ऑनलाइन लेन-देन में सावधानी बरतने तथा साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने का संकल्प लिया।

इंदौर पुलिस का कहना है कि सेफ क्लिक 2.0 अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाना, डिजिटल अपराधों की रोकथाम करना और नागरिकों को सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के लिए प्रेरित करना है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति सचेत किया जा रहा है, ताकि डिजिटल दुनिया को सभी के लिए सुरक्षित बनाया जा सके।

# नगर निगम जनसुनवाई में पहुंचे 48 आवेदन, आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश



**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों पर सुनवाई की गई। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने स्वयं अपने कक्ष में जनसुनवाई कर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र एवं नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान निगम के सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री तथा विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। नागरिकों ने राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य विभाग, रिमूवल विभाग, सीवरेज, जनकार्य विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित कुल 48 आवेदन प्रस्तुत किए।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदन सौंपते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी प्रकरणों का नियमानुसार और समयबद्ध तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

नगर निगम का कहना है कि नियमित जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना, प्रशासन और आमजन के बीच संवाद को मजबूत बनाना तथा पारदर्शी एवं जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित करना है। निगम प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी और शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

# आशापुरा गौशाला का महापौर ने किया निरीक्षण, 10 हजार गौवंश के लिए तैयार हो रही प्रदेश की सबसे बड़ी गौशाला



**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर नगर निगम द्वारा शहर के बेसहारा गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए आशापुरा क्षेत्र में तैयार की जा रही प्रदेश की सबसे बड़ी गौशालाओं में शामिल परियोजना अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। मंगलवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निर्माणाधीन आशापुरा गौशाला का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान एमआईसी सदस्य निरंजन चौहान (गुड्डू), मध्यप्रदेश गौ सेवक स्वामी अच्युतानंद, अपर आयुक्त मनोज पाठक, नगर निगम के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि पहले नगर निगम परिषद क्षेत्र स्थित रेशम केंद्र के सामने संचालित गौशाला में लगभग 600 गौवंश का संरक्षण करता था, जबकि वर्तमान में नगर निगम की विभिन्न गौशालाओं में 2,500 से अधिक गौवंश का आधुनिक सुविधाओं के साथ पालन-पोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सहयोग से आशापुरा क्षेत्र में लगभग 80 बीघा भूमि उपलब्ध कराई गई, जहां जनभागीदारी के माध्यम से रिकॉर्ड समय में 10 हजार गौवंश की क्षमता वाली अत्याधुनिक गौशाला का निर्माण किया जा रहा है।

# मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मुंडला जेतकरण पुल निर्माण को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग तत्काल बनाने के दिए निर्देश



### जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर जिले के ग्राम मुंडला जेतकरण में निर्माणाधीन पुलिया के संबंध में प्रकाशित समाचार को जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गंभीरता से लिया। उन्होंने ग्रामीणों की सुरक्षा एवं आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए तत्काल जनपद अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया (कान्हा पटेल) के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के दल को मौके पर भेजा।

मंत्री श्री सिलावट के निर्देशानुसार सांवेर विधानसभा एवं जनपद पंचायत इंदौर अंतर्गत ग्राम मुंडला जेतकरण में लगभग 2.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन पुलिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद अध्यक्ष श्री पटेल ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं अन्य नागरिकों के सुरक्षित आवागमन के लिए तत्काल वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जाए, ताकि वर्षाकाल में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं गति दोनों सुनिश्चित की जाएं। पुलिया का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के दौरान सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम किए जाएं तथा ग्रामीणों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। निरीक्षण के दौरान श्री कमल पटेल, श्री नीरज जागीरदार, खुडेल खुर्द के सरपंच श्री धर्मेंद्र, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारी श्री मंडलोई, जनपद पंचायत इंदौर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रियंका टैगोर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता जनहित के मुद्दो पर सत्याग्रह करें, तानाशाही के विरुद्ध हर स्तर पर लड़ेंगे-मीनाक्षी नटराजन

## जिला कांग्रेस कमेटी मंदसौर की विस्तारित बैठक सम्पन्न

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि भाजपा की सरकारें वोट चोरी करते - करते अब हमारे भविष्य की भी चोरी करने लगी है। भगवान श्री राम हमारी आस्था के केन्द्र है और उनके ही मंदिर में चोरी करने से प्रत्येक भारतीय का मन दुखा है। देश के नागरिको की आस्था के साथ भी खिलवाड किया गया है। उन्होने कहा कि केन्द्र की सरकार तानाशाही पर उतर गई है। इस तानाशाही का डटकर मुकाबला किया जाएगा।

सुश्री नटराजन ने यह बात मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी की पहली विस्तारित बैठक को सम्बोधित करते हुए कही। बैठक में उन्होने राज्यसभा चुनाव में नामांकन पत्र निरस्त करने की घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होने कहा कि नामांकन पत्र में कही भी लीगल नोटिस के बारे में जानकारी नही पुछी गई थी। कांग्रेस द्वारा शीघ्र ही हाईकोर्ट में याचिका प्रस्तुत की जाएगी। उन्होने कहा कि भाजपा की सरकारे वोट चोरी के बाद सीट चोरी, पार्टी चोरी के साथ ही लोगो की आस्था के साथ भी खिलवाड कर रही है। सुश्री नटराजन ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में प्रतिरोध की बात कही है। प्रतिरोध का अर्थ सत्याग्रह है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता जनहित के मुद्दो पर भाजपा के विरुध्द सत्याग्रह करे। सकारात्मक व रचनात्मक तरीके से भी सत्याग्रह किया जा सकता है। उन्होने कहा कि भाजपा की तानाशाही के विरुध्द हर स्तर पर लडाई लडी जाएगी। उन्होने कहा कि किसानो को खेतो में डालने के लिए खाद नही मिल रहा है। नीट के छात्रो के भविष्य के साथ खिलवाड किया गया है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्रसिंह गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस संगठन बुथ स्तर तक मजबुत किया गया है । अब अगले चरण में गांव व पंचायत स्तर तक जनहित के मुद्दो को लेकर संघर्ष किया जाएगा। विधायक विपिन जैन ने कहा कि भाजपा द्वारा विधायको को प्रलोभन देने का प्रयास विफल हो गया। उपरान्त नामांकन पत्र निरस्त करने का कृत्य किया गया। बैठक को पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, जिला अनुशासन समिति के अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, कांग्रेस नेता परशुराम सिसौदिया, प्रदेश सचिव राजेश रघुवंशी, सोमिल नाहटा ने भी सम्बोधित किया। संचालन जिला संगठन महासचिव अजय लोढा ने किया। आभार शहर ब्लाक अध्यक्ष इष्टा भाचावत ने माना। इस अवसर पर कांग्रेस नेता हिम्मतसिंह श्रीमाल जावरा, पूर्व जिलाध्यक्ष मनजीतसिंह टुटेजा, जनपद अध्यक्ष विजय पाटीदार, भानपुरा नगर परिषद अध्यक्ष शिव भानपिया, मो.हनीफ शेख, दीपकसिंह गुर्जर, तुलसीराम पाटीदार, अनिल शर्मा, शंकरलाल पाटीदार, गणपतलाल पंवार, देवेन्द्र योगी, असगर मेव, बसंतीलाल कुमावत, कमलेश जायसवाल, युनुस मेव, कर्मवीरसिंह भाटी, करणसिंह रावत, सुरेन्द्र कुमावत, रुपल संचेती, रफत पयामी, वर्षा सांखला, अंजु तिवारी, अजहर हयात मेव, महेश पाटीदार, आदित्य पाटिल, शक्तिदानसिंह सिसौदिया, श्यामसिंह चौहान, अजय मारु, सुरेश खचरानिया, आरिफ बैग, लियाकत निलगर, ब्लाक अध्यक्ष विजेश मालेचा, मुकेश धाकड, विकास दशोरा, सुरेश धाकड, जगदीश धनगर फौजी, सत्यनारायण पाटिल, ठा. प्रितपाल सिंह राणा,, रमेश कोठारी, राहुल जैन, किशोरसिंह पंवार, मुकेश पाटीदार, हनुमन्तसिंह, दिलीप देवडा, रमेश ब्रिजवानी, वाहिद जैदी, शुभम कुमावत, ईश्वर सुर्यवंशी आदि भी उपस्थित थे।

# स्पा सेंटरों पर उठे सवाल, जांच की मांग से प्रशासन में हलचल

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में संचालित स्पा सेंटरों पर मसाज की आड़ में चल रही अवैध गतिविधियों को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। यश बालाजी के सामने छात्रावास के पास ही 777 स्पा सेंटर संचालित हो रहा है जहां अवैध गतिविधियों का कारोबार चल रहा है। बिना वैध लाइसेंस और आवश्यक अनुमति के कथित रूप से संचालित हो रहे स्पा सेंटरों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर राष्ट्रीय हिन्दु युवा वाहिनी प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष नायक द्वारा प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। श्रीमती नायक द्वारा ज्ञापन में बताया गया कि शहर के शहर के कई मुख्य चौराहा पर संचालित कुछ स्पा सेंटर नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। शिकायत कर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे शहर में संचालित सभी स्पा सेंटरों की जांच कर उनके लाइसेंस, दस्तावेजों और संचालन की वैधानिक स्थिति का सत्यापन कराया जाए। पुर्व में भी आगरा की युवती ने वेतन नहीं मिलने, मारपीट किए जाने और स्पा सेंटर की आड़ में गलत गतिविधियां संचालित होने के आरोप भी लगाए हैं। सड़क पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों की भीड़ जमा हो गई और मामला चर्चा का विषय बन गया था। जिसको देखते हुए लगता है कि वर्तमान में बड़ी धार्मिक नगरी में बड़ी घटना हो सकती है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि जांच के दौरान किसी स्पा सेंटर में अनियमितता या कानून का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इससे शहर में कानून व्यवस्था मजबूत होगी और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। सात दिवस के अंतर्गत अवैध स्पा सेंटरों पर कार्यवाही नहीं की जाती है तो राष्ट्रीय हिन्दू युवा वाहिनी द्वारा धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

# गरोठ पुलिस ने पकड़े एम डी और डोडाचूरा के साथ दो तस्कर

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** गरोठ पुलिस ने नाकेबंदी के दौरान दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 74 ग्राम अवैध एमडी और 6 किलो 390 ग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। तस्कर बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल पर इस खेप को ले जा रहे थे।जानकारी के अनुसार, 6 जुलाई 2026 को गरोठ थाना पुलिस को मुखबिर से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की सटीक सूचना मिली थी। इस पर थाना प्रभारी बलवीरसिंह यादव के निर्देशन में टीम ने रुपरा फंटा (भानपुरा-गरोठ रोड) पर घेराबंदी की।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक बिना नंबर की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को रोका। बाइक पर सवार दो संदिग्धों की तलाशी लेने पर उनके पास से दो थैलियों में कुल 74 ग्राम एमडी और 6 किलो 390 ग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ, बाइक और आरोपियों के पास से 2 मोबाइल फोन जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, 22 के तहत अपराध क्रमांक 261/2026 दर्ज कर मामला विवेचना में लिया है। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और नशे के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

गिरफ्त में आए आरोपियों ने अपना नाम लक्ष्मणसिंह (38) पिता गंगारामसिंह राजपूत, निवासी- हरनावदा, थाना भानपुरा, अश्विन उर्फ मन्ना (39) पिता सत्यनारायण पंवार, निवासी- गुर्जर मोहल्ला, भानपुरा होना बताया।

## डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर भाजपा ने किया श्रद्धांजलि कार्यक्रम

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने रोटरी डायमंड पार्क के समीप गोमाबाई रोड स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने उनके राष्ट्रवादी विचारों एवं देश के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन किया।

कार्यक्रम में विधायक दिलीप सिंह परिहार, हेमंत हरित, महेंद्र भटनागर, जिला महामंत्री धनसिंह कैथवास, जिला उपाध्यक्ष राकेश ÷पप्पू÷ जैन, अर्जुन सिंह सिसोदिया, आदित्य मालू, निलेश पाटीदार, रोशन वर्मा, मनोज माहेश्वरी, केतन खंडेलवाल, अमन दीवान, दीनदयाल मंडल अध्यक्ष दारा सिंह यादव, मुखर्जी मंडल महामंत्री विक्की छाबड़ा सहित जिला, मंडल एवं मोर्चा पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार, जिला महामंत्री धनसिंह कैथवास एवं जिला उपाध्यक्ष राकेश पप्पू जैन ने संबोधित करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान और राष्ट्रवादी विचारधारा पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि उनके आदर्श और सिद्धांत आज भी राष्ट्रहित, सुशासन और जनसेवा के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कार्यक्रम के अंत में दीनदयाल मंडल अध्यक्ष दारा सिंह यादव ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

# सांदीपनि विद्यालय का गेट देर से खुला, सैकड़ों छात्राएं बारिश के खतरे के बीच इंतज़ार करती रहीं

## ऑनलाइन उपस्थिति के समय और शिक्षकों की समयपालन व्यवस्था पर उठे सवाल, मामले की जांच की मांग

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के सांदीपनि महाराणी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मंदसौर में मंगलवार सुबह समयपालन एवं व्यवस्थाओं को लेकर प्रश्न खड़े करने वाली स्थिति देखने को मिली। स्वतंत्र पत्रकार असअद अंसारी के अनुसार सुबह लगभग 7:20 बजे के बाद विद्यालय का मुख्य द्वार खोला गया, जबकि उस समय तक करीब 500 छात्राएं विद्यालय के बाहर गेट खुलने की प्रतीक्षा कर रही थीं।

प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार छात्राओं के साथ उस समय केवल तीन-चार शिक्षिकाएं ही बाहर मौजूद थीं। वर्तमान में बरसात का मौसम होने के कारण यदि उसी दौरान तेज बारिश शुरू हो जाती तो सैकड़ों छात्राएं भीगने को विवश हो जातीं। इससे छात्राओं की सुरक्षा एवं सुविधा को लेकर भी गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

स्वतंत्र पत्रकार असअद अंसारी ने बताया कि उनकी जानकारी के अनुसार शिक्षकों को प्रातः 7:00 से 7:15 बजे के बीच ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करनी होती है। इसके बावजूद उनके मोबाइल के समयानुसार सुबह 7:35 बजे एक दिव्यांग शिक्षिका को कार से विद्यालय पहुंचते हुए देखा गया। उल्लेखनीय है कि संबंधित शिक्षिका को चलने-फिरने में कठिनाई है, इसलिए इस तथ्य का उल्लेख केवल घटनाक्रम के क्रमवार विवरण के रूप में किया जा रहा है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के बीच विद्यालय का गेट देर से खुलने के अलग-अलग कारण बताए जा रहे थे। कुछ लोगों का कहना था कि ताले में जंग लग जाने से उसे खोलने में कठिनाई हुई, जबकि कुछ अन्य लोगों ने बताया कि संबंधित व्यक्ति चाबी लाना भूल गया था। इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। इसी दौरान वहां मौजूद एक शिक्षिका ने पत्रकार से यह भी कहा कि आप समाचार क्यों बना रहे हो? जबकि सार्वजनिक संस्थानों में व्यवस्थागत कमियों को सामने लाना जनहित से जुड़ा विषय है। स्वतंत्र पत्रकार असअद अंसारी ने मांग की है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराई जाए, वास्तविक कारणों का पता लगाया जाए तथा यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाएं। साथ ही विद्यालयों में समयपालन सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी व्यवस्था लागू की जाए। स्वतंत्र पत्रकार असअद अंसारी ने बताया कि उक्त संपूर्ण घटनाक्रम का वीडियो उनके पास सुरक्षित है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर जांच एजेंसियों अथवा सक्षम अधिकारियों को उपलब्ध कराया जा सकता है। यहां यह सर्वविदित है कि स्कूल में एक कमेटी जिसे एसएमसी कहा जाता है इसमें जनप्रतिनिधि तथा पालक रहते है जिसके एक अध्यक्ष होते है अतः अध्यक्ष को भी इस घटना का संज्ञान लेना चाहिए।

# समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश, 15 दिन में अस्पतालों एवं होटलों की फायर सेफ्टी व्यवस्था का निरीक्षण कर प्रस्तुत करें रिपोर्ट

## अतिक्रमण, खाद-बीज की कालाबाजारी और सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रक (टीएल) की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों एवं विभिन्न प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिले के सभी अस्पतालों एवं होटलों में अग्नि सुरक्षा मानकों की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय दंडाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र के सभी अस्पतालों एवं होटलों का आगामी 15 दिनों के भीतर निरीक्षण कर फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच करें तथा विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

शहर में बढ़ते अतिक्रमण एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए कलेक्टर ने तहसीलदार, मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा ट्रैफिक प्रभारी को संयुक्त अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने और यातायात प्रबंधन को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। कृषि सीजन को मद्देनजर रखते हुए खाद एवं बीज की कालाबाजारी पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिले के प्रमुख देवस्थानों पर व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से संबंधित प्रबंधन समितियों का गठन आगामी 15 दिनों के भीतर करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में पोर्टल पर उसका निराकरण दर्ज कराया जाए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम नीमच श्री पराग जैन, एसडीएम जावद श्री संजीव साहू, एसडीएम मनासा सुश्री किरण आंजना, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिंह धार्वे, सुश्री श्रुति भयडिया सहित जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

# कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गेहलोत ने हरकियाखाल बालाजी मंदिर में की पूजा-अर्चना

## प्रदेश एवं देशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद गेहलोत ने मंगलवार को परिवार सहित नीमच जिले के सुप्रसिद्ध श्री संकट मोचन हरकियाखाल बालाजी मंदिर पहुंचकर, भगवान बालाजी के दर्शन किए तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश एवं देश के सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि, शांति और वैभवपूर्ण जीवन की मंगलकामना की।

महामहिम राज्यपाल के हरकियाखाल बालाजी मंदिर आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया।

मंदिर समिति की ओर से मुख्य पुजारी पंडित श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा, श्री दशरथ भाई एवं समिति के पदाधिकारियों ने शाल एवं श्रीफल भेंटकर महामहिम राज्यपाल का सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल ने भी मुख्य पुजारी का सम्मान कर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

इस अवसर पर विधायक नीमच श्री दिलीप सिंह परिहार, सांसद प्रतिनिधि नागदा श्री ओ.पी.गेहलोत, पूर्व विधायक आलोट श्री जितेंद्र गेहलोत, अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती हेमलता अग्रवाल, एसडीएम श्री पराग जैन, मंदिर समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शनार्थी उपस्थित रहे।

# कलेक्टर ने जनसुनवाई में 148 आवेदकों की सुनीं समस्याएँ, संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के दिए निर्देश

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, नीमच में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 148 आवेदकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने सभी प्रकरणों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार, संवेदनशीलता के साथ तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान ग्वालटोली निवासी श्रीमती शीलादेवी ने अपनी दिव्यांग पुत्री का नाम राशन कार्ड में जोड़ने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर नाम दर्ज करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार स्टेशन रोड, वार्ड क्रमांक 35 निवासी श्रीमती जेबुन्निसा ने विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन दिया। कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को प्रकरण का शीघ्र परीक्षण कर नियमानुसार समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खातीखेड़ा निवासी श्री राधेश्याम तेली ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास निर्माण नहीं हो पाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कब्रिस्तान की पुश्तैनी भूमि को राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, मजदूरी का समय पर भुगतान कराने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के आकस्मिक निधन पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, कृषि भूमि का कब्जा एवं आवागमन का रास्ता दिलाने, अर्जित अवकाश भुगतान, नवीन पात्रता पर्ची जारी कराने, लाड़ली बहना योजना की राशि दिलाने, गृह ऋण संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न राजस्व, सामाजिक सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन की आवश्यक जांच कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की महत्वपूर्ण लोकहितैषी व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य आमजन की समस्याओं का प्रभावी एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इसलिए प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता, जवाबदेही एवं प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाए।

# दर्दनाक हादसा: आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

## दादा-दादी और पौत्र की खेत पर बनी झोपड़ी में सोते समय गई जान

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** समीपवर्ती कनेरा थाना क्षेत्र के ग्राम लूणखंदा में सोमवार रात एक दर्दनाक हादसे में आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दादा, दादी और उनका पौत्र शामिल हैं। तीनों फसल की रखवाली के लिए खेत पर बनी झोपड़ी में सो रहे थे।

कनेरा थाना के एएसआई महेंद्र ने बताया कि ग्राम लूणखंदा निवासी बद्रीलाल भील, उनकी पत्नी चंद्रीबाई भील तथा पौत्र विशाल भील सोमवार रात गांव से करीब दो किलोमीटर दूर अनोपपुराङ्गसुखानंदजी मार्ग स्थित अपने खेत पर बनी झोपड़ी में रुके हुए थे। रात में तेज बारिश और बादलों की गर्जना के बीच अचानक आकाशीय बिजली झोपड़ी पर गिर गई, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया गया कि बद्रीलाल और उनका पुत्र खेत पर अलग-अलग झोपड़ियों में ठहरे हुए थे। तेज धमाके की आवाज सुनकर पास की झोपड़ी में सो रहे पुत्र और बहू मौके पर पहुंचे। झोपड़ी के अंदर देखा तो तीनों अचेत पड़े थे और उनके शरीर से धुआं निकल रहा था। उन्होंने तत्काल ग्रामीणों और परिजनों को सूचना दी।

ग्रामीणों की सहायता से तीनों को तत्काल कनेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही कनेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कनेरा सीएचसी की मोर्चरी में रखवाकर पोस्टमार्टम कराया तथा बाद में परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह हृदयविदारक घटना पूरे क्षेत्र में शोक का विषय बनी हुई है। इस दर्द नाक घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद पूर्व का बिना मंत्री क्षेत्रीय विधायक श्री श्री चंद कृपलानी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ लूणखदा गांव पहुंचे एवं साथ आए एसडीएम एवं क्षेत्र के अधिकारियों से तुरंत आर्थिक सहायता के प्रकरण बनाकर राहत दिलाने के निर्देश दिए गए । श्री कृपलानी ने ग्रामीणों को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान खेतों में बनी अस्थायी झोपड़ियों में रुकने के प्रति विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

# सम्पादकीय

## भारत की एक्ट ईस्ट नीति का नया अध्याय और हिंद- प्रशांत में उभरती वैश्विक शक्ति की रणनीति

वैश्विक स्तरपर भारतीय पीएम की 6 से 11 जुलाई 2026 तक की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की छह दिवसीय यात्रा जिसपर भारत से पूरे विश्व की नज़रें लगी हुई है,केवल तीन देशों काराजनयिक दौरा नहीं है, बल्कि यह भारत की लगभग एक दशक से अधिक समय से विकसित हो रही एक्ट ईस्ट  नीति का सबसे परिपक्व और व्यापक स्वरूप है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हिंद- प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति, वैश्विक अर्थव्यवस्था,समुद्री व्यापार, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और सामरिक संतुलन का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है, विश्व की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी का बड़ा हिस्सा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार काअधिकांश भाग इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। ऐसे में मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत का इस क्षेत्र में सक्रिय,संतुलित और बहु आयामी नेतृत्व केवल उसकी विदेश नीति का विस्तार नहीं बल्कि उसकी वैश्विक भूमिका का पुनर्परिभाषण भी है। यही कारण है कि इस यात्रा को एक्ट ईस्ट नीति के एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।यह यात्रा केवल एक नियमित विदेश दौरा नहीं है, बल्कि यह उस बदलती वैश्विक व्यवस्था का प्रतीक है जिसमें भारत स्वयं को हिंद-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र के एक उत्तरदायी, विश्वसनीय और निर्णायक साझेदार के रूप में स्थापित कर रहा है।जिसपर भारत से पूरे विश्व की नजरें लगी हुई है इस यात्रा का उद्देश्य भारत की एक्ट ईस्ट नीति, मुक्त, खुला और समावेशी इंडो-पैसिफिक,समुद्री सुरक्षाव्यापार प्रौद्योगिकी, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिजों, आपूर्ति श्रृंखला और लोगों के बीच संबंधों को नई गति देना है। इस दौरान तीनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से द्विपक्षीय वार्ता, व्यापारिक समुदाय से संवाद और भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संपर्क कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

साथियों, आज विश्व की भू-राजनीति का केंद्र तेजी से हिंद -प्रशांत क्षेत्र की ओर स्थानांतरित हो रहा है। वैश्विक समुद्री व्यापार का बड़ा भाग इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है, जबकि ऊर्जा आपूर्ति,डिजिटल कनेक्टिविटी और वैश्विक उत्पादन नेटवर्क भी इसी क्षेत्र पर निर्भर हैं। ऐसे समय में भारत का उद्देश्य केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं है,बल्कि एक ऐसी व्यवस्था को मजबूत करना भी है जिसमें अंतरराष्ट्रीय कानून,नौवहन की स्वतंत्रता और सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान बना रहे। यही कारण है कि इस यात्रा को अनेक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ 2026 की सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहलों में से एक मान रहे हैं।भारत की एक्ट ईस्ट नीति अब केवल दक्षिण- पूर्व एशिया के साथ सांस्कृतिक संबंधों तक सीमित नहीं रही। यह आर्थिक,सामरिक,तकनीकी और समुद्री साझेदारी का व्यापक ढांचा बन चुकी है। इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड इस रणनीति के तीन महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

साथियों, इंडोनेशिया विश्व का सबसे बड़ा मुस्लिम-बहुल लोकतंत्र है और मलक्का जलडमरूमध्य के निकट उसकी रणनीतिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है।ऑस्ट्रेलिया महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा सहयोग और हिंद-प्रशांत सुरक्षा का प्रमुख भागीदार है, जबकि न्यूज़ीलैंड के साथ व्यापार, कृषि, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ हैं।इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक आयाम चीन के बढ़ते प्रभाव की पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है।भारत ने कहीं भी प्रत्यक्ष टकराव की नीति नहीं अपनाई है,लेकिन वह नियम- आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और संतुलित शक्ति संरचना का समर्थन करता है। दक्षिण चीन सागर, समुद्री मार्गों और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर भारत समान विचार वाले देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। कई विश्लेषकों का मानना है कि यह यात्रा किसी सैन्य गठबंधन का संदेश नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, संतुलन और साझेदारी का संकेत है।भारत और इंडोनेशिया के संबंध इस यात्रा में विशेष महत्व रखते हैं। दोनों देश हिंद महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले समुद्री क्षेत्र में स्थित हैं। रक्षा सहयोग,समुद्री निगरानी, डिजिटल साझेदारी, बंदरगाह विकास और संभावित रक्षा निर्यात जैसे विषय एजेंडे में शामिल हैं। विशेष रूप से ब्रह्मोस मिसाइल और समुद्री सुरक्षा सहयोग पर चर्चा अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक समुदाय की निगाहों में है।

साथियों, ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंध पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व गति से मजबूत हुए हैं। आज दोनों देश केवल लोकतांत्रिक साझेदार नहीं बल्कि महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी भी हैं।रक्षा अभ्यास, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा, विज्ञान तथा महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति इस संबंध के प्रमुख आधार बन चुके हैं।

## सहजयोग में ध्यान, धारणा और समाधि का आध्यात्मिक महत्व



सहजयोग आत्मसाक्षात्कार के पश्चात आरम्भ होने वाली एक सहज, जीवंत और अनुभव-आधारित आध्यात्मिक साधना है, जिसका उद्देश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप अर्थात् आत्मा से परिचित कराना है। सहजयोग के अनुसार आध्यात्मिक यात्रा का प्रारम्भ ध्यान (ध्यानावस्था) से होता है। ध्यान वह अवस्था है जिसमें साधक अपनी चेतना को बाह्य विषयों से हटाकर अपने भीतर स्थित आत्मा और सर्वव्यापी परम चैतन्य पर केंद्रित करता है। यह यात्रा पूर्णतः व्यक्तिगत और आंतरिक होती है। इस मार्ग पर प्रत्येक साधक को स्वयं अपने भीतर उतरना पड़ता है, क्योंकि आत्मानुभूति किसी दूसरे के माध्यम से प्राप्त नहीं की जा सकती। जब साधक नियमित रूप से ध्यान करता है और उसकी जागरूकता निर्विचार अवस्था में स्थिर होने लगती है, तब उसके भीतर गहन शांति, संतुलन और आत्मविश्वास का विकास होता है।

ध्यान के निरंतर अभ्यास से साधक का चित्त अधिक स्थिर और एकाग्र होकर धारणा की अवस्था में प्रवेश करता है। धारणा वह स्थिति है जिसमें मन बार-बार भटकने के स्थान पर सहज रूप से आत्मा और परमात्मा पर स्थित रहता है। इस अवस्था में साधक का सूक्ष्म तंत्र अधिक संतुलित होने लगता है तथा उसके विचार, वाणी और कर्म में पवित्रता एवं विवेक का समावेश होने लगता है। धीरे-धीरे उसका दृष्टिकोण सीमित स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवता और समष्टि कल्याण की ओर अग्रसर होता है। जब यह एकाग्रता पूर्ण परिपक्वता प्राप्त कर लेती है, तब साधक समाधि की अवस्था का अनुभव करता है। समाधि केवल गहन ध्यान की अवस्था नहीं, बल्कि परम चेतना के साथ एकात्म होने का जीवंत अनुभव है। इस अवस्था में साधक निर्विचार जागरूकता में स्थित रहता है और उसे अनुभव होने लगता है कि उसके प्रत्येक विचार, निर्णय और कर्म में दिव्य शक्ति का मार्गदर्शन विद्यमान है। उसका अहंकार और आसक्ति क्षीण होने लगते हैं तथा प्रेम, करुणा, क्षमा, विनम्रता और आनंद जैसे दिव्य गुण स्वाभाविक रूप से प्रकट होने लगते हैं।

सहजयोग यह भी सिखाता है कि ध्यान की गहराई ही आध्यात्मिक अनुभवों की गहराई निर्धारित करती है। जिस प्रकार गहरे पात्र में अधिक जल समा सकता है, उसी प्रकार जो साधक नियमित, ईमानदारी और समर्पण के साथ ध्यान करता है, उसकी चेतना उतनी ही अधिक विस्तृत और निर्मल होती जाती है। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात जागृत कुण्डलिनी शक्ति साधक के सूक्ष्म तंत्र का पोषण करती है और उसे निर्विचार जागरूकता में स्थापित करती है। परिणामस्वरूप वह सम्पूर्ण विश्व को अपना परिवार मानने लगता है और प्रत्येक जीव में परमात्मा का प्रतिबिंब देखने लगता है। इस प्रकार ध्यान, धारणा और समाधि सहजयोग के तीन क्रमिक आयाम हैं, जो साधक को आत्मज्ञान, आंतरिक शांति, दिव्य आनंद और परमात्मा के साथ एकत्व की सर्वोच्च अनुभूति तक पहुँचाते हैं।

# गर्म होती पृथ्वी, ठंडी पड़ती समझः भारत का जलवायु सच

भारतीय सभ्यता सदियों तक ऋतुओं पर उतना ही भरोसा करती रही, जितना सूर्योदय पर। खेती, नदियाँ, पर्व-त्योहार और जीवन मौसम की नियमित लय पर आधारित थे। किंतु अब प्रकृति चेतावनी दे रही है। अप्रैलङ्कमई 2026 में कई शहरों का तापमान 46ङ्क48एष्ट तक पहुँचा, हीट-स्ट्रोक से जानें गईं और बिजली की मांग लगभग 270 गीगावाट तक पहुँची। जुलाई के आरंभ में मुंबई, पालघर और ठाणे में 200ङ्क300 मिमी तथा कुछ स्थानों पर 600ङ्क800 मिमी से अधिक वर्षा ने जनजीवन और ढांचे को ठप कर दिया। हिमालय में भूस्खलन, मैदानी क्षेत्रों में बाढ़, तटीय इलाकों में चक्रवात और सूखा बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य नहीं, वर्तमान है। विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ), अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) और भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की नवीनतम रिपोर्टें भी इसी निष्कर्ष की पुष्टि करती हैं।

भारत की भौगोलिक विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति भी है और सबसे बड़ी संवेदनशीलता भी। उत्तर में हिमालय, दक्षिण में हिंद महासागर, विस्तृत तटीय क्षेत्र, विशाल मैदान और शुष्क भूभाग के कारण मौसम का मामूली असंतुलन भी करोड़ों लोगों को प्रभावित करता है। वर्ष 2026 में प्री-मानसून हीटवेव ने दिन-रात दोनों की गर्मी के रिकॉर्ड तोड़े, जबकि असमान मानसून ने कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ ला दी। वैज्ञानिक इसे चरम मौसमी घटनाओं (एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स) की बढ़ती आवृत्ति मानते हैं। कंक्रीट का अनियंत्रित विस्तार, नदी तटों पर अतिक्रमण, आर्द्रभूमियों का विनाश और अवैज्ञानिक शहरी नियोजन ने प्राकृतिक आपदाओं को मानवीय त्रासदी बना दिया है। आज अधिकांश आपदाएं प्रकृति से अधिक हमारी विकास नीतियों का परिणाम हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार हीटवेव की अवधि और तीव्रता बढ़ रही है, जिससे पारिस्थितिक संतुलन डगमगाने लगा है।

जलवायु असंतुलन का सबसे गहरा प्रभाव कृषि पर पड़ रहा है, क्योंकि भारत की बड़ी आबादी आज भी मानसून पर निर्भर है। अनिश्चित वर्षा, बढ़ता तापमान, घटती मिट्टी की नमी और प्राकृतिक आपदाएं पारंपरिक खेती को कमजोर कर रही हैं। वर्ष 2015ङ्क2021 के बीच अतिवृष्टि से 33.9 मिलियन हेक्टेयर और सूखे से लगभग 35 मिलियन हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। वर्ष 2026 में एल-नीनो और मानसून की देरी ने खरीफ उत्पादन की चिंता बढ़ा दी। फसल चक्र बिगड़ रहे हैं, पारंपरिक बीज कम प्रभावी हो रहे हैं और सिंचाई लागत बढ़ रही है। इसका असर किसानों की आय से आगे बढ़कर खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो कृषि संकट आर्थिक ही नहीं, सामाजिक अस्थिरता का कारण बनेगा। इसलिए जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरणीय मुद्दा मानना उसकी गंभीरता को कम करके आंकना होगा।

जलवायु परिवर्तन का गंभीर प्रभाव स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। तीव्र गर्मी हीट-स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और हृदय रोग बढ़ा रही है, जबकि बाढ़ के बाद मलेरिया, डेंगू और जलजनित बीमारियां फैल रही हैं। बढ़ता तापमान और वायु प्रदूषण श्वसन रोगों को और गंभीर बना रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग, निर्माण श्रमिक, खेतिहर मजदूर और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक जोखिम में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) चेतावनी दे चुका है कि आने वाले दशकों में जलवायु परिवर्तन सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में होगा। वर्ष 2026 की भीषण गर्मी में बिजली की रिकॉर्ड मांग और बिजली संकट ने इस चुनौती को और गहरा किया। भारत जैसे देश में यह केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा का भी प्रश्न है।

आर्थिक दृष्टि से भी जलवायु परिवर्तन विकास की गति पर सीधा प्रहार कर रहा है। बाढ़, सूखा, चक्रवात और भूस्खलन हर वर्ष अरबों रुपये की सार्वजनिक-निजी संपत्ति नष्ट कर रहे हैं।

सड़कें, पुल, रेलमार्ग, बिजली व्यवस्था और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाएं बार-बार बाधित हो रही हैं। राहत और पुनर्वास पर सरकारी व्यय बढ़ रहा है, जबकि उत्पादन और श्रम क्षमता घट रही है। विश्व बैंक और आईएमएफ भी इसे केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा मानते हैं। 2021 में हीट-स्ट्रेस से लगभग 159 अरब डॉलर की आर्थिक क्षति का अनुमान था, जबकि 2024-26 के अनुमानों में यह लगभग 194 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। घटती उत्पादकता, श्रम घंटों की हानि और बढ़ते बीमा दावे बताते हैं कि यदि जलवायु संकट पर समय रहते नियंत्रण नहीं पाया गया, तो विकास की पारंपरिक अवधारणा भी बदलनी पड़ेगी।

इन चुनौतियों के बीच यह भी सच है कि भारत ने भविष्य की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य, सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार, हरित हाइड्रोजन मिशन, इलेक्ट्रिक वाहन नीति, जैव ईंधन को बढ़ावा और वृक्षारोपण अभियान इसी प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका और आपदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण भी उल्लेखनीय है। फिर भी विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल सरकारी योजनाएं पर्याप्त नहीं होंगी। वैज्ञानिक शहरी नियोजन, प्रभावी जल निकासी, जल और वन संरक्षण, आर्द्रभूमियों की सुरक्षा तथा स्थानीय स्तर पर जलवायु-अनुकूल विकास मॉडल को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना ही इस संकट का स्थायी समाधान है।

असल प्रश्न यह नहीं है कि भारत जलवायु आपातकाल घोषित करेगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम प्रकृति की लगातार चेतावनियों को समय रहते समझ पाएंगे। विकास और पर्यावरण को विरोधी मानने की सोच अब स्वयं विकास के लिए बाधा बन चुकी है। यदि नीति-निर्माण वैज्ञानिक शोध, विश्वसनीय आंकड़ों और स्थानीय अनुभव पर आधारित हो, तो यही संकट नवाचार और सतत विकास का अवसर बन सकता है।

अन्यथा चरम मौसम की घटनाएं हर वर्ष नई सुर्खियां बनेंगी और उनके पीछे छिपा आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संकट स्थायी होता जाएगा। बदलते मौसम का सच स्पष्ट है–जलवायु परिवर्तन पर निर्णायक, वैज्ञानिक और सामूहिक कार्रवाई अब केवल पर्यावरण की नहीं, बल्कि भारत के सुरक्षित और सतत भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

-प्रो. आरके जैन

## तंबूरे के बाद का सन्नाटाः मद्धिम हुई पंडवानी की धड़कन

तीजन बाई नहीं रही, यह केवल एक महान लोक कलाकार के निधन का समाचार नहीं है,यह उस लोक-संसार की मद्धिम पड़ती धड़कनों का भी समाचार है, जिसने उन्हें जन्म दिया, गढ़ा और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।

कुछ लोग चले जाते हैं, लेकिन उनके साथ एक पूरा युग भी विदा होने लगता है। तीजन बाई का जाना ऐसा ही क्षण है। यह किसी एक कलाकार का अंत नहीं, बल्कि उस जीवित सांस्कृतिक परंपरा की क्षति है, जिसमें गीत केवल गाए नहीं जाते, पीढ़ियों से जिए जाते हैं,कथाएँ केवल सुनाई नहीं जातीं, बल्कि सामूहिक स्मृति बनकर समाज की आत्मा में बसती हैं।

लोक की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि उसका कोई एक रचनाकार नहीं होता। वह किसी एक कवि, लेखक या संगीतकार की निजी संपत्ति नहीं होती। लोक को पूरा समाज रचता है। अनगिनत कंठ, असंख्य अनुभव, सदियों की स्मृतियाँ और अनाम लोगों का जीवन मिलकर उसे आकार देते हैं। इसलिए जब कोई लोक कलाकार विदा होता है, तो उसके साथ केवल एक स्वर नहीं टूटता, बल्कि स्मृतियों का एक पुल भी दरकने लगता है।

आज प्रश्न यह नहीं है कि हम केवल तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त करें। प्रश्न यह भी है कि क्या हम उस लोक-जगत के क्षरण को पहचान पा रहे हैं, जिसकी सबसे सशक्त आवाज़ वे थीं? क्या हम उस सांस्कृतिक भूगोल के विलुप्त होने का दर्द महसूस कर रहे हैं, जहाँ से पंडवानी जैसी परंपराएँ जन्म लेती हैं? पिछले कुछ दशकों में भारतीय गाँवों का स्वरूप तेजी से बदला है। खेत छोटे होते गए, खेती महँगी और कठिन होती गई। रोज़गार की तलाश में लाखों लोग गाँव छोड़कर शहरों की ओर चले गए। जिन चौपालों पर संध्या उतरते ही आल्हा, पंडवानी, बिरहा, कजरी और लोककथाओं की स्वर-लहरियाँ देर रात तक गूँजती थीं, वहाँ अब जल्दी सन्नाटा उतर आता है। घर अब भी खड़े हैं, लेकिन उनके भीतर बसने वाला सामूहिक जीवन धीरे-धीरे विरल होता जा रहा है। लोक का सबसे बड़ा विद्यालय कोई भवन नहीं होता। उसका विद्यालय होता है,साथ बैठना, साथ गाना, साथ सुनना और साथ याद रखना। लोक परंपरा पुस्तकों से कम और मनुष्यों के बीच अधिक जीवित रहती है। वह रिश्तों की ऊष्मा, साझा श्रम और सामूहिक स्मृतियों में साँस लेती है। जब यह साझापन टूटता है, तब केवल समाज नहीं बदलता, लोक भी धीरे-धीरे अपनी जड़ों से कटने लगता है। गाँव से शहर जाने वाला व्यक्ति अपनी भाषा, अपने गीत और अपनी स्मृतियाँ मन की गठरी में बाँधकर तो ले जाता है, लेकिन उन्हें जीने वाला परिवेश पीछे छूट जाता है। उसकी अगली पीढ़ी उन गीतों को विरासत की वस्तु की तरह जानती है, जीवन की स्वाभाविक लय की तरह नहीं। लोक तब जीवन से निकलकर संग्रहालय, मंच और उत्सवों की वस्तु बनने लगता है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना है। लोककलाएँ आज पहले से अधिक मंचों पर दिखाई देती हैं।

-सुनील कुमार महला

# मिलावट  है भारत के सपनों पर विषनुमा दाग

भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बन चुका है। आधुनिक राजमार्ग, बुलेट ट्रेन, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष में नई उपलब्धियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रगति निश्चय ही गौरव का विषय हैं। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा कलंक है, जो इस समस्त प्रगति के माथे पर काले धब्बे की तरह दिखाई देता है-मिलावट। यह केवल खाद्य पदार्थों में मिलावट नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व में आई मिलावट का भी प्रतीक है। यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि एक ओर चिकित्सक रोगियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए दूध, घी, फल, पनीर और पौष्टिक आहार लेने की सलाह देते हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार में वही दूध डिटर्जेंट और यूरिया से भरा मिलता है, घी में जानलेवा रसायन मिलते हैं, फलों को जहरीले रसायनों से पकाया जाता है और दवाइयों तक में नकलीपन प्रवेश कर चुका है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर स्वस्थ जीवन की आशा किससे की जाए? नये भारत, विकसित भारत एवं मजबूत भारत का सबसे बड़ा हो-मिलावट-मुक्त भारत।

यह विडंबना केवल उपभोक्ता की नहीं, पूरे राष्ट्र की है। जिस देश की संस्कृति 'अन्नं ब्रह्म' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का संदेश देती हो, वहां भोजन ही यदि विष बन जाए तो इससे बड़ी त्रासदी और क्या हो सकती है? हाल के ही दिनों में देश के विभिन्न भागों से मिलावट के अनेक भयावह मामले सामने आए हैं। कहीं हजारों लीटर नकली दूध पकड़ा जाता है, कहीं करोड़ों रुपये का नकली शहद, कहीं मिलावटी घी, मावा और मसाले बरामद होते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जीवन बचाने वाली दवाइयों में भी नकली और घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। जो व्यक्ति लाभ कमाने के लिए किसी बच्चे, गर्भवती महिला, वृद्ध या बीमार व्यक्ति के भोजन और दवा में जहर घोल देता है, वह केवल व्यापारी नहीं, समाज का अपराधी है।

दरअसल, मिलावट का सबसे बड़ा कारण केवल आर्थिक लालच नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। पहले समाज में यह भावना थी कि दूसरों को कष्ट देकर कभी सुख नहीं मिल सकता। लोग ईश्वर, धर्म और समाज की नैतिक मर्यादाओं से डरते थे। आज परिस्थितियां बदल गई हैं। त्वरित धन अर्जित करने की अंधी दौड़ ने संवेदनाओं को कुचल दिया है। अब कुछ लोगों के लिए मुनाफा ही धर्म बन गया है, चाहे उसकी कीमत किसी की जान क्यों न हो। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है। मिलावटी खाद्य पदार्थ कैंसर, किडनी, लीवर, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन और बच्चों में कुपोषण जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी बोझ बढ़ता है, परिवार आर्थिक संकट में फंसते हैं और राष्ट्र की उत्पादक क्षमता प्रभावित होती है। दूसरी ओर, जब भारतीय खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारी विश्वसनीयता भी कमजोर होती है। विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों और तेज आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा; उसके लिए स्वस्थ नागरिक और शुद्ध खाद्य व्यवस्था अनिवार्य है।

विडंबना यह भी है कि हमारे यहां कानून तो हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, निरीक्षण तंत्र और विभिन्न एजेंसियां मौजूद हैं, फिर भी मिलावट का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार, निरीक्षण व्यवस्था की कमजोरी, मुकदमों में देरी और दंड का अभाव है। त्योहारों पर कुछ छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई करके प्रशासन अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है, जबकि बड़े नेटवर्क अक्सर बच निकलते हैं। जब तक दोषियों को त्वरित और कठोर दंड नहीं मिलेगा, तब तक यह विषैला कारोबार समाप्त नहीं होगा। आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। हर जिले में आधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित हों। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब गांव-गांव और शहर-शहर पहुंचें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक हर स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की जाए। नकली दवाइयों और मिलावटी खाद्य पदार्थों के मामलों के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएं, ताकि कुछ महीनों के भीतर दोषियों को सजा मिल सके। ऐसे अपराधों को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि 'जनस्वास्थ्य के विरुद्ध जघन्य अपराध' घोषित किया जाना चाहिए। लेकिन केवल सरकार सब कुछ नहीं कर सकती। समाज की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। उपभोक्ताओं को जागरूक बनना होगा। प्रमाणित उत्पादों का उपयोग, संदिग्ध वस्तुओं की शिकायत, स्थानीय स्तर पर जन-जागरण अभियान और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा नैतिक शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज मिलावट को केवल अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक बहिष्कार योग्य कृत्य मानने लगे, तो इस बुराई पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं होता। विकसित राष्ट्र वह है जहां नागरिक बिना भय के भोजन कर सकें, जहां दवा जीवन बचाए, जहां व्यापार विश्वास पर आधारित हो और जहां ईमानदारी आर्थिक सफलता का आधार बने। जापान, जर्मनी और अनेक विकसित देशों की सफलता का रहस्य केवल तकनीक नहीं, बल्कि गुणवत्ता और नैतिक अनुशासन भी है। भारत यदि विश्वगुरु बनने का स्वप्न देखता है, तो उसे सबसे पहले अपने बाजार को विश्वास का बाजार बनाना होगा। आज आवश्यकता एक नए राष्ट्रीय अभियान की है-'मिलावट-मुक्त भारत अभियान'। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन की शुरुआत की, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए। यह केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनचेतना का अभियान बने। प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह न मिलावट करेगा, न मिलावट को बढ़ावा देगा और न ही मिलावट करने वालों को सामाजिक सम्मान देगा।

हमें यह भी समझना होगा कि मिलावट केवल किसी दूसरे के परिवार को नहीं, अंततः पूरे समाज को नुकसान पहुंचाती है। जो व्यापारी आज मिलावट कर रहा है, उसका अपना परिवार भी इसी समाज में रहता है। उसके बच्चे भी इसी हवा में सांस लेते हैं, इसी बाजार से वस्तुएं खरीदते हैं। इसलिए मिलावट वास्तव में दूसरों के लिए नहीं, अपने ही भविष्य के लिए जहर तैयार करना है। स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2047 का भारत तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब उसकी पहचान केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि शुद्धता, विश्वसनीयता और नैतिकता से होगी। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां दूध में दूध हो, दवा में दवा हो, भोजन में जीवन हो और व्यापार में विश्वास हो। यही सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी।

भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और सर्वे भवन्तु सुखिनः की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। आज समय हमें पुकार रहा है कि हम विकास की ऊंची इमारतों के साथ चरित्र की मजबूत नींव भी रखें। यदि मिलावट समाप्त नहीं हुई, तो हमारी सारी प्रगति खोखली सिद्ध होगी। इसलिए सरकार कठोर कानून बनाए, प्रशासन निर्भीक कार्रवाई करे, न्यायपालिका त्वरित दंड सुनिश्चित करे और समाज नैतिक जागरण का बिगुल फूंके। आइए, आज ही संकल्प लें-'शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार। मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार।' यही संकल्प 2047 के भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक, स्वस्थ और विश्वसनीय राष्ट्र भी बनाएगा।

- ललित गर्ग

## फनरल ऑफ़ द सेंचुरीः क्या अयातुल्ला अली खामेनेई की 9 जुलाई 2026 को अंतिम विदाई

वैश्विक स्तरपर मध्य-पूर्व का इतिहास केवल युद्धों,तेल,परमाणु कार्यक्रमों और कूटनीतिक संघर्षों से नहीं लिखा गया है, बल्कि ऐसे प्रतीकात्मक आयोजनों से भी लिखा गया है जिन्होंने आने वाली पीढ़ियों की राजनीति और जनमानस को प्रभावित किया।28 फरवरी 2026 कों ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार ऐसा ही एक आयोजन बनता दिखाई दे रहा है। फरवरी में हुए अमेरिकी-इजरायली हमले में उनकी मृत्यु के बाद सुरक्षा कारणों से अंतिम संस्कार तत्काल नहीं किया जा सका और उसे कई महीनों के लिए स्थगित करना पड़ा। अब जुलाई में शुरू हुई बहु-दिवसीय अंतिम यात्रा को ईरानी नेतृत्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, शहादत, प्रतिरोध और राजनीतिक संदेश के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। अनेक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के अनुसार अंतिम यात्रा तेहरान से शुरू होकर विभिन्न धार्मिक स्थलों से गुजरते हुए 9 जुलाई को मशहद में दफ़न के साथ पूरी होगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र इलेक्ट्रॉनिक सोशल मीडिया में लगातार देख रहा हूं कि ईरानी सरकारी मीडिया और कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में इसे फनरल ऑफ़ द सेंचुरी यानें शताब्दी का अंतिम संस्कार कहा जा रहा है। आयोजकों का दावा है कि पूरे कार्यक्रम में करोड़ों लोग शामिल हो सकते हैं, जबकि स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ अभी केवल लाखों से करोड़ों तक की संभावित भीड़ का उल्लेख कर रही हैं और अंतिम संख्या की पुष्टि बाद में होने की बात कह रही हैं। कुछ रिपोर्टों में 1.5 से 2 करोड़ तथा कुछ में इससे भी अधिक उपस्थिति का अनुमान लगाया गया है, किंतु इन आँकड़ों की सटीकता से  स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है। हालांकि यह पूरी जानकारी मीडिया से उठाई गई है।

साथियों बात अगर हम चार महीने तक सुरक्षित रखा गया पार्थिव शरीर,शिया परंपरा और अभूतपूर्व राष्ट्रीय तैयारी को समझने की करें तो,इस पूरे आयोजन का सबसे असाधारण पक्ष यह है कि अयातुल्ला खामेनेई और उनके परिवार के 4 अन्य दिवंगत सदस्यों के पार्थिव शरीरों को लगभग चार महीने तक संरक्षित रखा गया। सामान्य इस्लामी परंपरा में मृत्यु के बाद शीघ्र दफ़न को सर्वोत्तम माना जाता है, लेकिन युद्ध, बड़े सुरक्षा संकट या अन्य असाधारण परिस्थितियों में विलंब की अनुमति दी जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस अवधि में शवों को रासायनिक संरक्षण (एम्बामिंग) के बजाय नियंत्रित तापमान वाले रेफ्रिजरेटेड कोल्ड स्टोरेज में रखा गया होगा, ताकि धार्मिक मान्यताओं का सम्मान बना रहे।युद्धकालीन परिस्थितियों के कारण अंतिम संस्कार टालना केवल धार्मिक निर्णय नहीं था,बल्कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति भी थी। ईरान को आशंका थी कि यदि युद्ध के दौरान इतने बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए गए तो दुश्मन देश या आतंकी संगठन भीड़ या शीर्ष नेतृत्व को निशाना बना सकते हैं। इसी कारण अंतिम संस्कार तब तक स्थगित रखा गया जब तक व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हो गई।

साथियों बात अगर हम तेहरान में शुरू हुए इस शोक समारोह के लिए राजधानी को अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में बदल दिया गया है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार सेना, पुलिस, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स,स्वयंसेवी संगठन और प्रशासनिक तंत्र को संयुक्त रूप से तैनात किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है और कुछ अवधियों के लिए हवाई क्षेत्र पर भी विशेष नियंत्रण रखा गया है। सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में पाँच करोड़ रोटियाँ, हजारों जल-छिड़काव केंद्र, सैकड़ों पार्किंग स्थल और करोड़ों श्रद्धालुओं जैसी तैयारियों के दावे सामने आए हैं। हालांकि इन सभी विशिष्ट आँकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इसलिए इन्हें ईरानी या अन्य मीडिया के दावों के रूप में ही देखा जाना चाहिए, न कि स्थापित तथ्य के रूप में। दूसरी ओर, यह स्पष्ट है कि आयोजन के पैमाने को देखते हुए भोजन,पेयजल, चिकित्सा सहायता,भीड़ नियंत्रण और परिवहन की सटीकता से व्यापक व्यवस्थाएँ की गई है। साथियों, इस अंतिम यात्रा को केवल एक राज्य समारोह नहीं बल्कि शिया धार्मिक संस्कृति की निरंतरता के रूप में भी प्रस्तुत किया जा रहा है। शिया परंपरा में शहादत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है और करबला की ऐतिहासिक स्मृति आज भी धार्मिक और राजनीतिक चेतना का आधार मानी जाती है। इसी कारण ईरानी नेतृत्व खामेनेई की मृत्यु को राष्ट्रीय प्रतिरोध और धार्मिक धैर्य के प्रतीक के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।दूसरी ओर, यह भी सत्य है कि ईरान के भीतर सभी नागरिक इस आयोजन को एक समान दृष्टि से नहीं देखते। निर्वासित विपक्षी समूह और कुछ आलोचक इसे राज्य- प्रायोजित राजनीतिक प्रदर्शन बताते हैं, जबकि समर्थकों के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान और श्रद्धांजलि का अवसर है। इसलिए यह अंतिम संस्कार केवल शोक का नहीं, बल्कि ईरान के भीतर मौजूद राजनीतिक मतभेदों का भी दर्पण बन गया है।  साथियों बात अगर हम मुस्लिम देशों की प्रतिक्रिया- एकजुटता और व्यावहारिक राजनीति का मिश्रण को समझने की करें तो रिपोर्टों के अनुसार लगभग 30 देशों के प्रतिनिधिमंडलों के शामिल होने की संभावना जताई गई है। रूस, पाकिस्तान तथा क्षेत्र के कई देशों के प्रतिनिधियों के आने की खबरें हैं, जबकि अधिकांश पश्चिमी देशों की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

इससे यह संकेत मिलता है कि कईमुस्लिम और क्षेत्रीय देश ईरान के साथ संवाद बनाए रखना चाहते हैं, भले ही उनकी अपनी विदेश नीतियाँ अलग-अलग हों।क्या यह सचमुच विश्व इतिहास का सबसे बड़ा अंतिम संस्कार हो सकता है?इतिहास में अनेक विशाल अंतिम संस्कार हुए हैं, जिनमें 1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी का अंतिम संस्कार भी शामिल है, जिसमें लगभग एक करोड़ लोगों की उपस्थिति का व्यापक उल्लेख मिलता है।

-धनंजय राजौरा

# अमलतास हॉस्पिटल में आयोजित रक्तदान शिविर में अमलतास होम्योपैथी कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने किया उत्साहपूर्वक रक्तदान

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में अमलतास हॉस्पिटल, देवास द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अमलतास होम्योपैथी कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया तथा मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

अमलतास ग्रुप के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित इस सामाजिक पहल का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए पर्याप्त रक्त उपलब्ध कराना था।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र सिंह भदौरिया ने विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त किसी व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम बन सकती है। युवाओं को नियमित रूप से ऐसे सामाजिक एवं मानवीय कार्यों में भाग लेना चाहिए। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के उत्साह और सेवा भावना की सराहना की।

रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ. विनय पाटीदार, डॉ. अंकित शर्मा एवं डॉ. प्रज्ञा जैन ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान के महत्व एवं इससे जुड़ी आवश्यक जानकारियाँ प्रदान कीं।

शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने ब्लड बैंक का शैक्षणिक भ्रमण भी किया, जहाँ उन्हें रक्त संग्रह, रक्त परीक्षण, रक्त अवयव पृथक्करण (Blood Component Separation), सुरक्षित भंडारण एवं रक्त वितरण की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं व्यावहारिक अनुभव बताया।

कार्यक्रम के अंत में अमलतास होम्योपैथी कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने भविष्य में भी ऐसे जनहित एवं समाजसेवा से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। यह रक्तदान शिविर सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा भावना एवं युवाओं की सकारात्मक सोच का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया।

## 3 लाख के चोरी के माल के साथ धराए तीन बदमाश

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुलिस ने मई माह में सोलर प्लांट से स्ट्रिंग कॉपर केबल चुराने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से पुलिस ने 3 लाख रू. की केबल बरामद की है। पुलिस ने चोरी का माल बरामद कर बदमाशों को न्यायालय में पेश किया है।

जानकारी के अनुसार 22 मई को एनटीपीसी सोलर ऊर्जा प्लांट के कर्मचारी गजेन्द्र सिंह पिता चन्दर सिंह सौंधिया (34) निवासी ग्राम देहरीपाल ने थाना मोहन बड़ोदिया में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 21 मई की रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा सोलर प्लांट यूनिट-2, ब्लाक क्रमांक-3 देहरीपाल से लगभग 900 मीटर स्ट्रिंग कापर केबल चोरी कर ली गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और एसपी प्रियंका शुक्ला, एएसपी घनश्याम मालवीय एवं एसडीओपी अजयकुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मोहन बड़ोदिया उनि अरविन्दसिंह तोमर के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। विवेचना के दौरान मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 06 जुलाई को आरोपियों फूलसिंह पिता मदन सिंह गुर्जर (36), ईश्वर पिता सीताराम गुर्जर (40) एवं बाबूलाल पिता दरियाव गुर्जर (उम्र 50) निवासी ग्राम कृपालपुर (कोल्या) को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गई 3 लाख रू. कीमत की 900 मीटर स्ट्रिंग कापर केबल बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अरविन्दसिंह तोमर, सउनि लाखन सिंह, आरक्षक सुरेश राठौर, शैलेन्द्र गुर्जर, शैलेन्द्र शर्मा, शिवचरण दांगी, जुझार सिंह, विष्णु दांगी एवं अर्जुन बागड़ी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## नई एसपी प्रियंका शुक्ला ने मां राजराजेश्वरी का लिया आशीर्वाद, संभाला पदभार

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले की नई पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने मंगलवार को विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने शाजापुर पुलिस की कमान संभाली। इस अवसर पर निवर्तमान पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत ने उन्हें जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, प्रशासनिक व्यवस्थाओं और पुलिस की विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पदभार ग्रहण करने के बाद एसपी प्रियंका शुक्ला ने जिले के राजपत्रित अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि जिले में प्रभावी कानून-व्यवस्था बनाए रखना, महिला एवं बाल सुरक्षा को मजबूत करना, साइबर अपराधों की रोकथाम और साइबर जागरूकता बढ़ाना उनकी मुख्य प्राथमिकताएं होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह पुलिसिंग को बढ़ावा दिया जाएगा।

अपराधों की रोकथाम, जल्द होगा मामलों का खुलासा- मीडिया से चर्चा करते हुए एसपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि उन्होंने निवर्तमान एसपी यशपाल सिंह राजपूत से जिले की चुनौतियों और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा है। उन्होंने कहा कि अपराधों की रोकथाम और उनके त्वरित खुलासे के लिए जिले में अधिक से अधिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। एसपी शुक्ला ने बताया कि नागरिकों के साथ पुलिस का मजबूत जुड़ाव उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष और संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही जिले में संचालित हर प्रकार की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और लोगों का पुलिस पर विश्वास बढ़ाना है।

## निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया प्रारंभ

### राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किए दिशा-निर्देश

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश में शिक्षा का अधिकार कानून अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत 8 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत पात्र बच्चों को अशासकीय, गैर-अनुदान प्राप्त निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है, जिसका शुल्क प्रदेश सरकार वहन करती है।

प्रदेश में आरटीई के अंतर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। द्वितीय चरण की प्रक्रिया के बाद जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह गई हैं, उन सभी विद्यालयों को उनकी रिक्त सीटों सहित द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है।

तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं होगा- राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि तृतीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केवल उन्हीं आवेदकों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। ऐसे आवेदक, जिन्होंने पूर्व चरणों में आवेदन किया था और सत्यापन उपरांत पात्र पाए गए, लेकिन उन्हें कोई भी विद्यालय आवंटित नहीं हुआ, वे तृतीय चरण के लिए विद्यालयों की चॉइस अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा, जिन आवेदकों को पूर्व चरण में विद्यालय आवंटित हुआ था, लेकिन विद्यालय पसंद न आने या अन्य कारणों से उन्होंने प्रवेश नहीं लिया, वे भी तृतीय चरण की प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी पसंद के अनुसार विद्यालयों की चॉइस फिर से अपडेट कर सकेंगे।

प्रवेश प्रक्रिया की समय सारिणी- 08 जुलाई 2026 तक- आवेदकों को रिक्त सीटों वाले विद्यालयों के लिए अपनी चॉइस अपडेट करने होगी।

10 जुलाई 2026- तीसरे चरण के लिए ऑनलाइन लॉटरी

11 से 20 जुलाई 2026-आवंटन के बाद संबंधित विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया एवं संबंधित विद्यालय द्वारा आरटीई मोबाइल ऐप के माध्यम से जानकारी दर्ज की जाएगी।

## ज्योति नगर कालोनी में अतिक्रमण हटाने की मांग

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर की ज्योति नगर कालोनी के रहवासियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर सार्वजनिक रास्तों से अवैध कब्जे और अतिक्रमण हटाने की मांग की। उन्होंने कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें बताया गया कि कॉलोनी में लगभग 30 से 40 मकान हैं, लेकिन कुछ लोगों ने सार्वजनिक मार्गों पर अवैध निर्माण कर रास्ते अवरुद्ध कर दिए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि रास्तों के संकरे और अवरुद्ध होने से लोगों को पैदल चलने के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहन निकालने में भी भारी परेशानी होती है। आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसे वाहन भी कालोनी तक आसानी से नहीं पहुंच पाते। कई परिवारों को मजबूरन आवागमन के लिए दूसरे लोगों के निजी प्लाटों का उपयोग करना पड़ता है, जिससे आए दिन विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा, रास्तों के विवाद के कारण कालोनी में सीवर (मल-जल) योजना का कार्य भी शुरू नहीं हो सका है, जिससे विकास कार्य बाधित हैं और रहवासी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। रहवासियों ने आरोप लगाया कि कालोनी विकसित करने वालों ने प्लाट बेचने के बाद रास्तों की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है।

## विश्व क्लबफुट माह अंतर्गत क्लबफुट से पीडित बच्चों का हुआ निःशुल्क उपचार

### अभियान में 17 बच्चों का हुआ उपचार, विगत एक वर्ष में 125 से अधिक बच्चों को मिला निःशुल्क उपचार

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला चिकित्सालय देवास में 03 जून से 07 जुलाई 2026 तक विश्व क्लबफुट माह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं अनुष्का फाउंडेशन के विशेष सहयोग से आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जन्मजात पैर के तिरछेपन (क्लबफुट) से पीडित बच्चों की पहचान कर उन्हें समय पर निःशुल्क उपचार प्रदान करना रहा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि अभियान के तहत तिरछे पंजे (क्लबफुट) से पीड़ित 09 बच्चों की कास्टिंग (प्लास्टर) की गई, 07 बच्चों को विशेष क्लबफुट ब्रेस वितरित किए गए तथा 01 बच्चे का फॉलोअप किया गया। । उन्होंने बताया कि जिले में विगत एक वर्ष 125 से अधिक बच्चों का पंजीकरण कर उनका उपचार किया जा चुका है। 01 अप्रैल से 30 जून 2026 तक 35 बच्चों का पंजीकरण कर उनका उपचार किया जा चुका है।

सीएमएचओ डॉ. बेक ने बताया कि क्लबफुट एक जन्मजात विकृति है, जिसमें बच्चे के पैर जन्म के समय अंदर की ओर मुड़े होते हैं। यह लगभग हर 800 नवजात शिशुओं में से एक को प्रभावित करता है। देवास जिले में आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं को शुरुआती पहचान और रेफरल के लिए प्रशिक्षित किया गया है, ताकि कोई भी बच्चा इस दिव्यांगता का शिकार न रहे। समय पर पहचान और उपचार से क्लबफुट जैसी जन्मजात विकृति को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।

## मां राजराजेश्वरी मंदिर के पास सड़क धंसी, पलटा पानी का टैंकर

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में मां राजराजेश्वरी मंदिर के पास मंगलवार दोपहर सड़क धंस गई। इस घटना में पानी से भरा एक टैंकर पलट गया और कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। यह घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई। टैंकर चालक पानी भरकर मंदिर के पीछे स्थित कब्रिस्तान में चल रहे निर्माण कार्य के लिए जा रहा था।

चालक ने बताया कि इस स्थान पर कुछ समय पहले नर्मदा पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई थी। बाद में गड्ढे को केवल मिट्टी से भरा गया था, जिसके कारण भारी वाहन का भार पड़ते ही सड़क बैठ गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर जेसीबी मशीन बुलाई गई। कड़ी मशक्कत के बाद पलटे हुए टैंकर को सीधा कर सड़क से हटाया गया, जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका। इसी दौरान, टैंकर हटाने के दौरान एक तीन पहिया ऑटो रिक्शा भी सड़क धंसने के कारण फंस गया, जिसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। स्थानीय लोगों ने सड़क मरम्मत की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पाइपलाइन कार्य के बाद सड़क की सही तरीके से मरम्मत न होने से दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

## सुबह से शाम तक हुई रिमझीम बारिश, गर्मी से मिली राहत

### दो दिन तेज बारिश का अलर्ट, कहीं-कहीं भारी बारिश का अलर्ट

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** देर आए दुरूस्त आए की तर्ज पर मानसून ने नगर में भी दस्तक दे दी है। नगर में पिछले दो दिनों से रिमझीम के साथ हल्की बारिश हो रही है जिससे नगरवासियों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग द्वारा मंगलवार देर रात व बुधवार को कहीं-कहीं सामान्य से तेज वर्षा व कहीं भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

जिले में मंगलवार को मौसम में अचानक बदलाव आया। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे और दोपहर करीब 12 बजे तेज गरज-चमक के साथ भारी बारिश शुरू हो गई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और उमस से राहत मिली। पिछले तीन दिनों से शाम के समय बारिश हो रही थी, लेकिन मंगलवार को दिन में हुई बारिश ने मौसम का रुख बदल दिया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया के अनुसार जिले में 8 जुलाई तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा। इस दौरान कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश जारी रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि बुधवार को भी दिनभर तेज गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान लगभग 30.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

कहां कितनी बारिश - कलेक्ट्रेट कार्यालय द्वारा जारी वर्षा रिपोर्ट के अनुसार 1 जून से 7 जुलाई तक जिले में कुल 62.65 इंच वर्षा दर्ज की गई है। तहसीलवार आंकड़ों में शाजापुर में 8.66 इंच, मोहन बड़ोदिया में 8.62 इंच, शुजालपुर में 8.93 इंच, कालापीपल में 8.89 इंच, गुलाना में 8.18 इंच, पोलायकला में सर्वाधिक 10.84 इंच और अवंतीपुर बड़ोदिया में 8.50 इंच बारिश हुई है। लगातार हो रही इस बारिश को खरीफ फसलों के लिए लाभदायक माना जा रहा है, जिससे किसानों को फायदा होने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने और गरज-चमक के समय खुले स्थानों पर जाने से बचने की सलाह दी है।

## जनसुनवाई में अपर कलेक्टर जैन ने नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर संजीव जैन ने जनसुनवाई में आये आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अपर कलेक्टर संजीव जैन ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

शासकीय भूमि पर से अवैध कब्जे को हटवाया जाए- जनसुनवाई में आवेदेक पंकज मीणा निवासी ग्राम पांगरा तहसील कन्नौद ने शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे को हटावाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

संबल योजना का लाभ दिलाया जाए- जनसुनवाई में आवेदिका जमना बाई पति राजाराम निवासी भौंरासा ने संबल योजना का लाभ दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

जल निकासी करवाई जाएं - जनसुनवाई में आवेदक रामप्रसाद निवासी ग्राम बरखेड़ा कोतापाई ने कृषि भूमि के पास से जल निकासी के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

पेंशन लाभ दिलवाया जाए- जनसुनवाई में आवेदक निर्मला पति सोहनलाल अजमेरा निवासी हाटपीपल्या ने पेंशन दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

## डिप्टी कलेक्टर सुश्री गंगारे एवं सीएमएचओ डॉ. आर्य ने जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा गंगारे एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य ने आज प्रात- जिला चिकित्सालय शाजापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम ट्रामा सेंटर स्थित ओ.पी.डी. कक्ष का निरीक्षण किया, जिसमें अधिकांश स्थानों पर चिकित्सक निर्धारित समय से अनुपस्थित पाये गये। संबंधित अनुपस्थित चिकित्सकों के एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश सिविल सर्जन को दिये गये।

वार्ड के निरीक्षण में सफाईकर्मी श्रीमती विनिता चौहान द्वारा समय पर सफाई नहीं करने पर संबंधित के एक दिवस के वेतन काटने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मेट्रन श्रीमती कृष्णकांता चौहान अवकाश पर पाई गई जिनकी जानकारी चाही गई। आर.एम.ओ. कक्ष में कोई भी अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं थे।

## निजी स्कूलों की मनमानी फीस, किताब-ड्रेस खरीद और आरटीई विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा की मांग, कलेक्टर को सौंपा आवेदन

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** समाजसेवी पं. रितेश त्रिपाठी ने जिला कलेक्टर को आवेदन सौंपकर जिले के निजी विद्यालयों में मनमानी फीस वसूली, ड्रेस एवं किताबों की अनिवार्य खरीद, पुस्तकों के मूल्य में कथित अनियमितताओं तथा आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के तहत अध्ययनरत विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। आवेदन में बताया गया कि जिले के कई निजी विद्यालय अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाल रहे हैं।

आरोप है कि कुछ विद्यालय अभिभावकों को एक ही निर्धारित दुकान से ड्रेस, किताबें और अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने के लिए बाध्य करते हैं, जिससे उन्हें अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। साथ ही पुस्तकों के मूल्य एवं अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को लेकर भी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि कई निजी विद्यालय विभिन्न मदों के नाम पर मनमाने ढंग से फीस वृद्धि एवं अतिरिक्त शुल्क वसूल रहे हैं, जिससे सामान्य एवं मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। पं. रितेश त्रिपाठी ने मांग की है कि जिले के सभी निजी विद्यालयों की फीस, ड्रेस एवं किताबों की बिक्री व्यवस्था की जांच कराई जाए। किसी भी विद्यालय द्वारा अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से सामग्री खरीदने के लिए बाध्य करने पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा पुस्तकों के मूल्य और एमआरपी संबंधी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। आवेदन में यह भी मांग की गई कि सभी निजी विद्यालयों में शासन एवं शिक्षा विभाग के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। आरटीई के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए यह व्यवस्था की जाए कि यदि किसी विद्यालय की मान्यता समाप्त हो जाती है या उसका संचालन बंद हो जाता है, तो ऐसे विद्यार्थियों की शिक्षा बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक बोझ के अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालय में जारी रहे। आवश्यकता होने पर इस संबंध में शासन स्तर पर भी अनुशंसा भेजी जाए। इसके अलावा सभी निजी विद्यालयों में फायर सेफ्टी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। ज्ञापन के माध्यम से कलेक्टर से समस्त बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर दोषी संस्थानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई, ताकि अभिभावकों और विद्यार्थियों को राहत मिल सके।

# खेत मालिक के खिलाफ वन विभाग ने दर्ज किया प्रकरण

### बिन मुंडेर के कुंए में गिरने से 13 हिरणों की हुई थी मौत, वन विभाग ने की कार्रवाई

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** वन विभाग ने शुजालपुर अनुभाग की कालापीपल तहसील के खरदौनकलां गांव में एक खेत के कुएं से 13 हिरणों की डूबने से हुई मौत के मामले में कुंआ मालिक एक महिला के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। उक्त महिला के खेत में बिन मुंडेर का कुंआ था। जिसमें एक आवारा श्वान से बचने के लिए भागते समय 13 हिरण उस कुंए में गिर गए थे जिससे उनकी मौत हो गई। साथ ही श्वान की भी डूबने से मौत हो गई थी।

इस घटना की जानकारी खरदौनकलां निवासी कृष्णाबाई पति राजेश पाटीदार के परिजन रविवार को खेत में कीटनाशक का छिड़काव करते समय लगी जब उन्हें खेत में बने बिन मुंडेर के कुंए से बदबू आने लगी थी। उन्होंने नीचे देखा तो 13 हिरणों और एक कुत्ते के शव पड़े मिले। शवों की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि घटना एक-दो दिन पहले हुई होगी। खेत मालिक ने इसकी सूचना सरपंच को दी, जिसके बाद पुलिस और वन विभाग को मौके पर बुलाया गया। ग्रामीणों के अनुसार कुएं पर सुरक्षा के लिए मुंडेर बनी हुई थी, लेकिन उसका एक हिस्सा क्षतिग्रस्त मिला। आशंका है कि हिरण उसी क्षतिग्रस्त हिस्से से कुएं में गिरे होंगे। घटना का स्पष्ट समय अभी सामने नहीं आया है। वन विभाग की माने तो हिरणों का झुंड किसी आवारा श्वान से बचने के लिए तेजी से भाग रहा था। इसी दौरान सभी हिरण कुएं में गिर गए। जिस कुत्ते से वे बच रहे थे, वह भी कुएं में गिर गया और उसकी मौत हो गई। मृत हिरणों में चार नर और नौ मादा शामिल हैं। रविवार को सूचना मिलने के बाद एसडीओ विभागीय कार्य से रतलाम में होने के कारण सोमवार को नायब तहसीलदार की उपस्थिति में शव निकाले गए। पोस्टमार्टम के बाद घटनास्थल के पास ही सभी शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

वन विभाग ने दर्ज किया प्रकरण- वन विभाग के रेंजर रतनलाल सिंगोत ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए खेत की मालिक कृष्णा बाई पति राजेश पाटीदार के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिरणों की बड़ी आबादी वाला इलाका है कालापीपल- कालापीपल-शुजालपुर क्षेत्र हिरणों की बड़ी आबादी के लिए जाना जाता है। खेतों और खुले इलाकों में अक्सर हिरणों के झुंड दिखाई देते हैं। वन्यजीवों की बढ़ती संख्या और किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान को देखते हुए करीब दो महीने पहले बोमा पद्धति के तहत हेलीकॉप्टर की मदद से लगभग 800 हिरणों को अन्य वन अभयारण्यों में स्थानांतरित किया गया था।

# विधायक ने अधूरे मार्ग का निरीक्षण किया, अधिकारियों व ठेकेदार को लगाई फटकार

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** विधायक भंवरसिंह शेखावत ने बड़ी चौपाटी से बड़नगर मुख्य मार्ग तक निर्माणाधीन सड़क का संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति तथा लंबे समय से सड़क अधूरी रहने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

करीब 1.5 किलोमीटर लंबे इस टू-लेन सड़क निर्माण कार्य के अधूरा रहने से क्षेत्र के रहवासियों, व्यापारियों और प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के साथ नालियों का निर्माण भी अधूरा है, जिससे बारिश का पानी आसपास के मकानों और दुकानों में भर रहा है तथा स्थानीय लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

निरीक्षण के दौरान विधायक शेखावत ने लोक निर्माण विभाग बड़नगर के अधिकारी देशपांडे एवं संबंधित ठेकेदार को निर्माण कार्य में अनावश्यक विलंब और लापरवाही पर कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क, नाली तथा अन्य शेष कार्यों में तत्काल गति लाकर निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने एक माह बाद पुनः स्थल निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की समीक्षा करने की बात कही।

निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के उद्देश्य से निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्रीमती प्रियंका मीमरोट, बिजली विभाग के कार्यपालन यंत्री विनीत ठाकुर, सहायक यंत्री अर्पित जैन, देवकुमार शर्मा, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी राहुल गड़रिया सहित जनप्रतिनिधि कमलसिंह पटेल, रमेश देव (खेड़ा), निरंजनसिंह पंवार (पिटगारा), मुकेश होती, अभय पाटीदार, कैलाश गुप्ता, विनोद शर्मा, अभिषेक टल्ला मोदी, देवपालसिंह जाधव, प्रकाश निनामा, किशोर राठौड़ सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

## देवास आबकारी विभाग में पदोन्नतियों की सौगातः 2 बने उपनिरीक्षक, 9 मुख्य आरक्षक और 3 लिपिकीय कर्मचारियों को मिला प्रमोशन

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** लंबे समय से प्रतीक्षित पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद देवास जिला आबकारी विभाग में उत्साह और खुशी का माहौल है। शासन द्वारा जारी आदेश के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता, कार्यकुशलता, अनुभव और उत्कृष्ट सेवाओं के आधार पर पदोन्नत किया गया है।

आदेश के अनुसार राजाराम रैकवार एवं दीपक कुमार घुरिया को आबकारी मुख्य आरक्षक से पदोन्नत कर आबकारी उपनिरीक्षक बनाया गया है।

इसी प्रकार बालकृष्ण जायसवाल, गजेन्द्र सिंह चौहान, दीपक टटवादे, राजेश जोशी, गोविंद बड़ौदिया, शंकरलाल परते, अरविंद जिनवाल, सुरेंद्र कुमार वर्षी एवं विकास गौतम को आबकारी आरक्षक से पदोन्नत कर आबकारी मुख्य आरक्षक बनाया गया है। लिपिकीय वर्ग में सुमेर सिंह धुर्वे को सहायक ग्रेड-2 से मुख्य लिपिक, कमल सिंह सिसोदिया को लेखपाल से मुख्य लिपिक तथा आशीष केशवानी को सहायक ग्रेड-3 से पदोन्नत कर सहायक ग्रेड-2 बनाया गया है।

पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सभी पदोन्नत साथियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यालय परिसर में दिनभर बधाइयों का दौर चलता रहा और कर्मचारियों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर अपनी खुशी साझा की।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि पदोन्नति के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। इससे विभागीय कार्यों में और अधिक दक्षता, पारदर्शिता तथा अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई को नई गति मिलेगी।

लंबे समय के इंतजार के बाद जारी हुए इन पदोन्नति आदेशों से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा है। कर्मचारियों का मानना है कि समय पर पदोन्नति मिलने से कार्य के प्रति समर्पण और उत्साह में वृद्धि होती है, जिसका सकारात्मक प्रभाव विभाग की कार्यप्रणाली पर भी पड़ता है।

कलेक्टर ऋषुराज सिंह एवं जिला आबकारी अधिकारी ने सभी पदोन्नत अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य तथा सफल कार्यकाल की कामना की।

## गौ माता के सम्मान में संपूर्ण नगर में रैली निकालकर सभा को संबोधित किया गया

**उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** उन्हेल नगर में दिनांक 3-7-2026 को हुई गो वंश के अंश की घटना को लेकर दिनांक 7-7.2026 मंगलवार को सकल हिंदू समाज में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा दोपहर 12 बजे लालबाई फूलबाई माता मंदिर के पास सकल हिंदू समाज एकत्रित होकर गौ माता के सम्मान में संपूर्ण नगर में रैली निकालकर थाना उन्हेल पहुंचा जहां एक सभा को संबोधित किया गया जिसमें विजयानंद महाराज, विक्रम सिंह पीपावत अध्यक्ष राष्ट्रीय को रक्षा समिति भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष राजकुमार जैन गौ लोकधाम गौशाला के अध्यक्ष पंडित शिव शर्मा तथा विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के जिला मंत्री जितेन्द्र पांचाल ने सभा को संबोधित किया सभी ने गौ हत्यारौ को कड़ी से कड़ी सजा मिले तथा इस प्रकार की पुनरावृति ना हो सके इसलिए चारों अपराधियों के मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग। क्योंकि इस प्रकार की घटना 2023 में भी हो चुकी है यह कार्यवाही नहीं होती है तो सकल हिंदू समाज आगे भी आंदोलन करेगा जिसमें नगर बंद चक्का जाम कलेक्ट्रेट का घेराव आदि है ज्ञापन का वाचन कान्हा ने किया इस अवसर पर सकल हिंदू समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

इनका कहना- आज हिंदू समाज ने 3 तारीख को हुई गोवंश की घटना को लेकर अपराधियों के मकान तोड़ने की मांग की है जांच कर नियम अनुसार कार्रवाही की जावेगी

**-अनिल मोरे, तहसीलदार उन्हेल**

3 तारीख को हुई गोवंश की हत्या के संबंध में आज सकल हिंदू समाज एकत्रित होकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया है जिसमें चारों अपराधियों के मकान को तोड़ा जाए इसकी मांग रखी है अगर कार्रवाई नहीं होती है तो सकल हिंदू समाज आगे भी आंदोलन करेगा

**-जगदीश धाकड़, प्रांत गोरक्षा प्रमुख विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल**

## ब्लड बैंक की अतिआवश्यक मांग को लेकर विप्र रक्त संगठन के बैनर तले सड़कों पर उतरा आलोट

**आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आलोट-विप्र रक्त संगठन शाखा आलोट के सदस्यों द्वारा आलोट नगर में शासकीय ब्लड बैंक की स्थापना की जनहितकारी मांग को लेकर आज मुख्यमंत्री,एवं स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन क्षेत्र में आपातकालीन चिकित्सा हेतु ब्लड बैंक (रक्तदान केंद्र) स्थापित करने के लिए विप्र रक्त संगठन के बैनर तले नगर की समस्त सामाजिक राजनेतिक धार्मिक संस्थाओं द्वारा रेस्ट हाऊस से पैदल मार्च कर अनुविभागीय अधिकारी स्ठरू साहब को राजस्व कार्यालय में उपस्थित होकर ज्ञापन दिया गया हमारे क्षेत्र में आपातकालीन स्थिति, दुर्घटनाओं और प्रसव के दौरान मरीजों को रक्त की सख्त आवश्यकता होती है। ब्लड बैंक न होने के कारण गंभीर मरीजों को हमारे क्षेत्र में किसी भी आपातकालीन दुर्घटना,प्रसव के दौरान या गंभीर बीमारियां (जैसे थैलेसीमिया) के मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ने पर लगभग [वर्तमान दूरी,जैसे जिला अस्पताल पर निर्भर रहना पड़ता है। समय पर रक्त न मिल पाने के कारण कई बार मरीजों की जान जोखिम में पड जाती है उज्जैन,रतलाम,मंदसौर सहित आस-पास के सभी लगे हुए जिले (लगभग 100 किमी दूर) के बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। समय पर रक्त न मिलने के कारण कई बार मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। क्षेत्र की विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यहाँ एक सरकारी ब्लड बैंक खोलने की अति आवश्यकता है,ताकि समय पर जरूरतमंदों को रक्त मिल सके और जनहानि को टाला जा सके। ज्ञापन का वाचन संस्था के मिडिया प्रभारी गोरव भैसोटा ने किया।।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष नकुल खारोल,धिरेन्द्र सिंह निगम, विजय पुरोहित,गोरव भैसोटा शांतिलाल शर्मा,रवि निगम,लखन दास बैरागी,महेश निगम,दुर्गेश दुबे,महेश परिहार,श्रीमती संतोष भाटी,साथ ही इस अवसर पर,विप्र रक्त संगठन के संस्थापक दिनेश शर्मा (मीण),आलोट शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पांचाल,पार्षद नागेश खारोल,पत्रकार संघ से विनय निगम,जीतू वरोला,राम बलवीर व्यायामशाला के कुशालराव जाधव,मोहन गुप्ता,युवराज सिंह परिहार,राज्य सफाई कर्मचारी संगठन से कमलेश उमरवाल,ताराचंद डुलगंज, अनील डुलगंज,पुनम चंद डुलगंज सहित कई नगरवासी उपस्थित रहे।।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के गौरव भैसोटा ने किया।। कार्यक्रम का आभार संस्था के सचिव योगेश निगम ने माना। इन संस्थाओं ने दिया अपना समर्थन- सत्याग्रह सामाजिक सांस्कृतिक संस्था,चित्रांश युथ फेडरेशन,आलोट के राजा श्री गणेश उत्सव समिति,राम बलवीर व्यायामशाला,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, विधानसभा युवक कांग्रेस,शहर कांग्रेस,ब्लॉक युवक कांग्रेस,शहर युवक कांग्रेस,राज्य सफाई कर्मचारी संगठन,सहित आदी संस्था।।

इन डाक्टरों और चिकित्सालयों ने दिया समर्थन। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेन्द्र मौर्य,डॉ अब्दुल कादरी,डॉ पी एन डांगी (संजीवनी होस्पिटल),डॉ अंशुल चौपड़ा (चौपड़ा क्लिनिक),डॉ रवि नंदकिशोर माली(यशी क्लिनिक विक्रमगढ़),डॉ विनोद पाटीदार (गंगा होस्पिटल),डॉ तनिश पाटीदार,डॉ नेहा पाटीदार (अपेक्स क्लिनिक)।

## शिक्षकों की विदाई

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सांदीपनी उत्कृष्ट नंदराम चोपड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदनावर में 3 वर्ष से अधिक सेवा देकर श्री जुगल किशोर प्रजापत उच्च माध्यमिक शिक्षक चुरू राजस्थान निवासी जिनका स्थानांतरण शा, उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उच्चतर विद्यालय श्योपुर में, श्रीमती आरती उपाध्याय उच्च माध्यमिक शिक्षिका इतिहास , श्रीमती ललिता अलंसे उच्च माध्यमिक शिक्षक संस्कृत विषय, श्रीमती शुभ्रा वर्मा अंग्रेजी विषय की उच्च माध्यमिक शिक्षिका इनका भी स्थानांतरण उनके निवास इंदौर के निकट में हुआ है। आज सांदीपनि विद्यालय के शिक्षकों -शिक्षिकाओं और प्राचार्य रियाजुद्दीन शेख ने सभी का सम्मान ,अभिनंदन करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। विद्यालय के लिए उनके द्वारा किए गए समर्पण शिक्षण और गतिविधियों के लिए उनका धन्यवाद किया। शिक्षकों के द्वारा उन्हें भाव भीनी विदाई दी गई। हिंदी, इतिहास , संस्कृत और अंग्रेजी विषय के, उच्च माध्यमिक शिक्षको ने सेवा समर्पण के साथ समय देकर विद्यार्थियों को शिक्षण कार्य से जोड़ा। जिन्होंने विगत वर्षों में बोर्ड परीक्षा में परिणाम 100त्न प्रतिशत भी दिया है।

## एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत हुआ वृक्षारोपण

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** शासन एवं भारत सरकार द्वारा संचालित पर्यावरण संरक्षण के जनअभियान एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़नगर में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा पौधारोपण कर किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए इस प्रेरणादायी अभियान की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को वृक्षों के पर्यावरणीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति का आधार ही नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की अमूल्य धरोहर हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन में कम से कम एक पौधे का रोपण एवं उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद की ओर से जिला समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय ने महाविद्यालय को 20 पौधे एवं 20 ट्री गार्ड भेंट किए, जिससे परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

इस अभियान में 21 MP बटालियन NCC का भी उल्लेखनीय सहयोग रहा। एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए दर्जनों पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर एनसीसी केयर टेकर अधिकारी एवं सहायक प्राध्यापक मोहित नागर ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिकाधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. किरण मंडलोई, डॉ. शाहीन खान, संजय जोहराम, दर्शित गोखरू, डॉ. सुनीता कुमावत, सहायक प्राध्यापक अनुराधा यादव, राखी गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह परमार, हीना माथुर, नवीन मकवाना, अनिल राठौर सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता विकसित करना तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण के माध्यम से हरित एवं स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना रहा। कार्यक्रम संबंधी जानकारी सहायक प्राध्यापक मनोहर सिंह निगवाल द्वारा प्रदान की गई।

## सेंट मार्टिन स्कूल में पुलिस ने बच्चों सिखाये साइबर सुरक्षा के गुर

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** बड़नगर पुलिस साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए इन दिनों अभियान चला रही है जिसके तहत कल शनिवार को बड़नगर में शेखपुर स्थित सेंट मार्टिन स्कूल में टी आई कमलेश सिंगार एवं सब इंस्पेक्टर चाँदनी पाटीदार पहुँचे , जहाँ उन्होंने छात्र छात्राओं को ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग ओर साइबर ठगी से बचने के टिप्स दिए। सर्वप्रथम स्कूल पहुँचने पर स्कूल के संचालक फादर जॉर्ज एवं प्रिंसिपल जेनेट जॉर्ज द्वारा टी आई कमलेश सिंगार एवं सब इंस्पेक्टर चाँदनी पाटीदार का स्वागत किया तत्पश्चात उन्होंने स्कूल के छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि गूगल पर दिखाई देने वाला हर कस्टमर केअर नम्बर सही नही होता। साइबर ठग फर्जी नम्बर के जरिये लोगों से बैंकिंग जानकारी , ओटीपी , सीवीवी, पिन व एमपिन हासील कर खाते में से सारी रकम निकाल लेते है किसी भी संस्था का नम्बर केवल उसकी आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप से ही ले। उन्होंने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर , एनसीआरपी पोर्टल ओर स्थानीय थाने मैं शिकायत की प्रक्रिया समझाई एवं उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपने निजी फोटो और वीडियो शेयर न करे। कार्यक्रम के दौरान स्कूल संचालक फादर जॉर्ज , प्रिंसीपल जेनेट जॉर्ज , मैनेजर नवीन कुमार भगोरिया एवं स्कूल स्टाफ मौजूद था । कार्यक्रम के अंत मे सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने ओर दुसरो को जागरूक करने की शपथ दिलाई।

## थाना पुलिस द्वारा शहर के स्कुल बसों का किया निरीक्षण, स्कूल बस संचालकों से लिया वाहनों का फिट होने का प्रमाण पत्र

### स्कुल में चलने वाले ऑटो व मैजिक वाहनों पर भी की जाएगी कार्यवाही

**महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** 10 स्कूलों की 80 बसों का किया निरीक्षण, जे.डी.स्कुल की बस क्रमांक MP13P1274 के चालक द्वारा लापरवाहीपूर्वक बस चलाये जाना पाए जाने पर किया अपराध दर्ज।

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रदीप शर्मा, श्रीमान अति.पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) जिला उज्जैन श्री करणदीप सिह ( भापुसे ) , श्रीमान एसडीओपी महोदय श्री ज़ेंडेन लिंगज़ेरपा (भापुसे) के मार्गदर्शन में स्कुल बसो का निरीक्षण किया ।

घटना का सक्षिप्त विवरणः– पुलिस अधीक्षक महोदय उज्जैन द्वारा बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल बसों के निरीक्षण का आदेश दिया था ।

एम पी. एस . स्कुल , अलंकार स्कुल, द एनीमेन्ट स्कुल , ओसीस स्कुल, सेन्ट जोसेफ स्कुल, जीनदाता इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, निर्मल किरण पब्लिक स्कुल, भारतमाता विद्या मंदिर, द रॉयल कान्वेंट स्कुल तथा सरस्वती विद्या मंदिर महिदपुर में संचालित 80 बसों का निरीक्षण किया गया तथा सभी बसों में इमरजेंसी गेट, अग्निशमन यंत्र चैक किया गया तथा बस के दस्तावेज फिटनेस प्रमाण पत्र , परमिट आदि चैक किये गये । ड्रायवर को वर्दी में व बसो में लेडी टीचर को रखने की तथा बसो में कैमरे लगाने की समझाईश दी । सभी स्कुल के संचालकों से वाहनों का फिट होने का प्रमाण पत्र लिया ।

कल दिनांक 06.07.2026 को जे.डी.स्कुल की बस क्रमांक MP13P1274 के चालक द्वारा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाया जाना पाया जाने से बस चालक के विरुद्ध थाना महिदपुर पर अपराध क्र. 274/2026 धारा 281 बीएनएस का कायम किया गया है, भविष्य में भी लापरवाही बरतने वाले स्कुल में चलने वाली बस, ऑटो व मैजिक वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

सराहनीय भूमिकाः- उक्त प्रसंशनीय कार्य में थाना महिदपुर पुलिस टीम निरी.अशोक पाटीदार, उनि एन एस कनेश, उनि सुखचेन अरियाम,महेश चौहान,प्रआर 1084 विजयसिह , आर आदिराम , आर राघव , आर नारायणसिह , आर समरथ पाटीदार की सराहनीय भूमिका रही है।

## लक्षकार समाज ने निकाली शोभायात्रा

**उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** लक्षकार समाज ने मंगलवार को कुलदेवी चैना माता, कुशला माता एवं रूप महाराज का पंडित हेमंत उपाध्याय के आचार्यत्व में पूजन अर्चन एवं हवन कार्यक्रम के साथ सती उत्सव मनाया गया। समाज अध्यक्ष बंशीलाल गेहलोत ने जानकारी में बताया कि कुलदेवी का चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए पोरवाल मांगलिक भवन में समापन हुआ। शोभा यात्रा का सामाजिक संगठनों ने भव्य स्वागत किया। समापन अवसर पर महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हलकारा, मंडल अध्यक्ष राजकुमार जैन, नंदराम धाकड़, कैलाश विपट, रामचन्द्र मोदी,पद्माकर पाध्ये सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला पुरुष सम्मिलित हुए। इसके पूर्व सोमवार को रात्रि मे कुलदेवी माता के भजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आगामी 21 जुलाई को कुलदेवी का मुख्य स्थान ग्राम भजमेरी राजस्थान मे भव्य शोभायात्रा के साथ भजन संध्या का आयोजन संपन्न होगा, जिसमें नगर से भी बड़ी संख्या में समाजजन सम्मिलित होंगे।

## शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं, पीड़ित परिवार ने कलेक्ट्रेट के बाहर खोला मोर्चा! एसडीएम के आश्वासन पर समाप्त हुआ प्रदर्शन

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला स्तरीय जनसुनवाई में मंगलवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब रामपुरा का एक पीड़ित परिवार न्याय नहीं मिलने से नाराज होकर कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर सड़क पर धरने पर बैठ गया। परिवार ने साफ कहा कि जब तक उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक वे वहां से नहीं हटेंगे। बाद में एसडीएम और तहसीलदार के मौके पर पहुंचकर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद धरना समाप्त हुआ। पीड़ित परिवार ने कलेक्टर को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि रामपुरा के सर्वे क्रमांक 422 स्थित शासकीय कुएं, शासकीय भूमि और पूर्वजों के धार्मिक चबूतरे पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर टीनशेड और बाउंड्री का निर्माण किया गया है। उनका कहना है कि 23 जून की जनसुनवाई में भी शिकायत की गई थी, जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार, सीएमओ और थाना रामपुरा को कार्रवाई के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

परिवार का आरोप है कि इस मामले में उन्होंने थाना, नगर परिषद और तहसील कार्यालय में भी अलग-अलग शिकायतें दीं, लेकिन हर बार उन्हें एक विभाग से दूसरे विभाग भेजा जाता रहा। उनका कहना है कि अतिक्रमण के कारण शासकीय कुएं और धार्मिक चबूतरे तक पहुंचने का रास्ता बाधित हो गया है तथा उनकी कृषि भूमि की सिंचाई भी प्रभावित हो रही है।

आवेदन में परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में महिलाओं के साथ अभद्रता और मारपीट की घटनाएं भी हुई थीं, जिनके फोटो और वीडियो संबंधित अधिकारियों को दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने से परिवार ने अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। धरने की सूचना मिलने पर पहले तहसीलदार की ओर से संदेश भेजा गया, लेकिन परिवार नहीं माना। बाद में एसडीएम और तहसीलदार स्वयं मौके पर पहुंचे और मामले के शीघ्र एवं निष्पक्ष निराकरण का भरोसा दिलाया। इसके बाद परिवार ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

# जल गंगा संवर्धन अभियान से जल सुरक्षा और समृद्धि की ओर बढ़ता ग्राम पंचायत सलुनिया बड़ा

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 19 मार्च 2026 से 30 जून 2026 तक जनपद पंचायत पेटलावद की ग्राम पंचायत सलुनिया बड़ा में जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन से संबंधित विभिन्न कार्यों का सफल क्रियान्वयन किया गया। अभियान के दौरान निर्मित विभिन्न जल संरचनाएं आने वाले समय में ग्राम पंचायत के लिए जल सुरक्षा, कृषि उत्पादन वृद्धि तथा पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

उचित मूल्य की दुकान पर रेन वाटर अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों के शासकीय भवनों पर वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण किया जाना था। इसी क्रम में आदर्श योजना के तहत स्वीकृत नवीन उचित मूल्य की दुकान भवन पर विभाग एवं निर्माण एजेंसी के समन्वय से रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित की गई। आगामी वर्षों में इस व्यवस्था से वर्षा का पानी व्यर्थ बहने के बजाय भूमि में समाहित होगा, जिससे भू-जल स्तर में वृद्धि होगी तथा आसपास के क्षेत्रों में जल उपलब्धता बेहतर हो सकेगी।

हेण्डपंप रिचार्ज से भविष्य में बनी रहेगी पेयजल उपलब्धता- अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत में हेण्डपंप रिचार्ज कार्य कराया गया। इस कार्य के माध्यम से वर्षा जल का संचयन कर भू-जल स्तर को पुनर्भरण किया जाएगा, जिससे आने वाले समय में हेण्डपंपों में जल उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। इस नवाचार से प्रभावित होकर ग्रामीणों ने अन्य स्थानों पर भी स्वप्रेरणा से हेण्डपंप रिचार्ज संरचनाएं विकसित करने का सुझाव ग्राम पंचायत को दिया है।

खेत तालाब एवं कपिलधारा कूप रिचार्ज से कृषि को मिलेगा स्थायी लाभ- ग्राम पंचायत में खेत तालाब एवं कपिलधारा कूप रिचार्ज कार्यों का निर्माण भी किया गया। सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में यह धारणा रही है कि खेत तालाब निर्माण से कृषि भूमि का उपयोग क्षेत्र कम हो जाता है, लेकिन ग्राम पंचायत सचिव श्री पप्पुसिंह मुणिया एवं सरपंच श्री कन्ना सोलंकी द्वारा ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन के दीर्घकालीन लाभों के प्रति जागरूक किया गया।

## भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा, झूला महोत्सव व भजन का आयोजन किया

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी रथ यात्रा व झूला महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें भगवान का रथ व झूला की आकर्षक झांकी सजाई गई। चलित रथ के साथ तेजस सोमानी व कु.देवांशी सोमानी द्वारा प्रसिद्ध भजन जगन्नाथ चका नैन पर आकर्षित प्रस्तुति दी गई।मंडल द्वारा भगवान के भजन गाये गए। प्रभु की महाआरती एवं महाप्रसाद का भोग लगाया गया। मनोरथ के लाभार्थी श्रीमती रम्भाबाई सोमानी,प्रेमलता सोमानी, शिखा सोमानी, श्रुति सोमानी व कुमारी देवांशी सोमानी व परिवार ने लाभ लिया।

## मिर्च फसल में एकीकृत पोषक तत्व, कीट प्रबंधन, जैविक/प्राकृतिक खेती एवं मार्केटिंग विषय आधारित एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण/कार्यशाला

**बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह के निर्देशन में मंगलवार को राज्य पोषित योजना अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, तलुन में किया गया। जिसमें मिर्च फसल में एकीकृत पोषक तत्व, कीट प्रबंधन, जैविक/प्राकृतिक खेती, एफपीओ का निर्माण एवं मार्केटिंग विषय पर विस्तार से किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि निमाड़ की मुख्य फसल मिर्च है। अतः किसानों को पुनः इस फसल की खेती को प्राकृतिक रूप से प्रारंभ करना चाहिए। साथ ही अच्छी क्वालिटी की मिर्च को हमे अन्य देशों में भी एक्सपोर्ट करने की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। अगर किसान प्राकृतिक एवं जैविक रूप से मिर्च की खेती करता है, तो निश्चित ही उसे अन्य किसानों के मुकाबले प्राकृतिक उपज का अधिक मूल्य प्राप्त होगा वही हमारी सेहत भी बनी रहेगी। अतः किसान प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर अपने कदम बढ़ाये अगर उन्हे इसमें कोई परेशानी हो तो वे अपने क्षेत्र के कृषि एवं उद्यानिकी अधिकारियों सहित विषय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते है। इस दौरान कलेक्टर ने किसानों को प्रधानमंत्री प्राकृतिक खेती मिशन के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में श्री नरेन्द्र तांबे, पूर्व एग्रोनोमिस्ट के द्वारा मिर्च में जैविक खेती के संबंध में बताया कि मिर्च फसल के बीच में बारामासी, अम्बाड़ी के पौधे लगाने से सफेद मक्खी का काफी हद तक नियंत्रण किया जा सकता है। साथ ही अन्य जैविक उत्पाद के बारे में जानकारी दी। श्री अहजर जैदी, एग्रोमोस्टि जैन इरिगेशन जलगांव के द्वारा मिर्च की उन्नत खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। श्री घनश्याम भुरे, निमाड़ एग्रो प्रोड्यूसर कम्पनी खरगोन द्वारा निर्यात हेतु जैविक मिर्च के उत्पादन कैसे किया जाए एवं जैविक मिर्च उत्पादन हेतु जैविक कीटनाशकों के बारे में तथा जैविक मिर्च की मूल्य संबंधी जानकारी दी गई। डॉ. एस.के; बड़ोदिंया, प्रधान वैज्ञानिक झटज्ञ तलुन द्वारा मिर्च में समेकित कीटनाशी प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

उक्त कार्यशाला/प्रशिक्षण में कलेक्टर महोदया, श्री

## विकास के दावों के बीच मूलभूत सुविधाओं को तरसी उदय नगर कॉलोनी ! सड़क, पानी और स्ट्रीट लाइट की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच ग्राम पंचायत जमुनियाकला की उदय नगर कॉलोनी आज भी सड़क, पेयजल और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। वर्षों से समस्याओं का समाधान नहीं होने से नाराज कॉलोनीवासियों ने मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन कर चक्काजाम करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन में रहवासियों ने बताया कि कॉलोनी में वर्षों से सीसी सड़क का निर्माण नहीं हुआ है और न ही स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की गई है। बारिश के दौरान सड़कें कीचड़ में तब्दील हो जाती हैं, जिससे बच्चों को स्कूल आने-जाने और आम लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। रहवासियों ने बताया कि पेयजल संकट भी लगातार बना हुआ है। करीब एक माह से पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण नियमित जलापूर्ति प्रभावित है। कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार जनप्रतिनिधियों और ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों से गुहार लगाई, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के लिए भटक रहे लोग अब खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। रहवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि उदय नगर कॉलोनी में शीघ्र सीसी सड़क का निर्माण कराया जाए, पेयजल व्यवस्था दुरुस्त की जाए और स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन और चक्काजाम करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

## नागदा के युवा चिकित्सक डॉ. राहुल शर्मा का सम्मान

**नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** उज्जैन की कालिदास अकादमी में 1 जुलाई 2026 को आयोजित 17वें राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस सम्मान समारोह में नागदा के युवा चिकित्सक डॉ. राहुल शर्मा को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से 400 से अधिक चिकित्सकों ने भाग लिया। डॉ. राहुल शर्मा के सम्मानित होने पर अधिमान्य पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जया बघेल, जीवन जैन, राजू गुप्ता, गगन बोहरा, निखिल राठौर, नवीन शर्मा, दिलीप मोदी, संदीप दावरे, रानी, डॉ. इमरान, डॉ. सऊद नागोरी, डॉ. शांतनु, धीर शर्मा, डॉ. पवन शर्मा, शिवम बैरागी, प्रदीप शर्मा, गिरीश शर्मा, अमन छोरिया सहित इष्ट मित्रों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

## पथराव कर तोड़े शीशे फिर बस में लगा दी आग

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर रोड पर बस से हुई टक्कर के बाद दो गायों की मौत हो गई। लोगों का गुस्सा फूट पड़ा उन्होंने पत्थर कर बस के शीशे तोड़ दिए, चालक क्लीनर भाग निकले। गुस्सा शांत नहीं हुआ लोगों ने बस में आग लगा दी। पुलिस ने चालक के खिलाफ मवेशियों को टक्कर मारने का प्रकरण दर्ज किया है आगजनी के मामले में जांच की जा रही है।

इंदौर से गोलू शुक्ला ट्रैवल्स के पास रात 9:30 बजे के लगभग उज्जैन आ रही थी। पंथ पिपलाई के पास चालक ने सड़क पर विचरण कर रही दो गायों को जोरदार टक्कर मार दी। दोनों गायों की मौके पर मौत हो गई। लोगों ने घटना देखी तो बस को रोक लिया। चालक और क्लीनर भाग निकले। भीड़ लगती देख बस में सवार यात्री भी दहशत में आ गए। कुछ देर में पूरी बस खाली हो गई एकत्रित हुए लोगों ने बस चालक की लापरवाही पर अपना गुस्सा निकालते हुए पथराव कर दिया। बस के शीशे फूट गए गुस्से में लोग यही नहीं रुके उन्होंने बस में आग लगा दी। आगजनी की खबर पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाया गया, बताया जा रहा है कि बस इंदौर के विधायक गोलू शुक्ला की है। लोगों का कहना था कि इस मार्ग पर दिन रात बस चालक तेज गति से दौड़ते रहते हैं। आए दिन दुर्घटना हो रही है। पहले भी कुछ लोगों की जान जा चुकी है और मवेशियों को नुकसान पहुंचा है। मामले में नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि फिलहाल ग्राम रामवासा में रहने वाले ईश्वर डांगरा की शिकायत पर बस चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चला कर दो गायों को टक्कर मारने का प्रकरण दर्ज किया गया। आगजनी के मामले में जांच की जा रही है।

## महाकाल के नाम पर इंस्टाग्राम से बिक रहे थे सूअर के दांत

### वन विभाग ने खोला फर्जी तांत्रिक का राज- खुद को उज्जैन की साधिका बताकर करती थी तंत्र-मंत्र का दावा

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** भगवान महाकाल की आस्था का सहारा लेकर सोशल मीडिया पर करोड़ों का कारोबार करने वाली एक कथित तांत्रिक महिला का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इंस्टाग्राम पर खुद को उज्जैन की बताकर तंत्र-मंत्र, वशीकरण और हर समस्या का समाधान करने का दावा करने वाली महिला सूअर के दांत सहित वन्य जीवों के प्रतिबंधित अंग बेच रही थी। शिकायत मिलने पर वन विभाग ने ग्राहक बनकर जांच की तो पूरा खेल उजागर हो गया। जांच में सामने आया कि महिला का उज्जैन से कोई संबंध नहीं, बल्कि वह दिल्ली की रहने वाली है।

वन विभाग के अनुसार महिला सोशल मीडिया पर महाकाल की भस्म आरती, मंदिरों के वीडियो और धार्मिक पोस्ट डालकर लोगों का भरोसा जीतती थी। इसके बाद वह तंत्र-मंत्र के नाम पर सूअर के दांत, नाखून, बाल, हड्डियां और अन्य कथित ÷सिद्ध÷ वस्तुएं बेचती थी। साथ ही शादी, नौकरी, व्यापार, वशीकरण और आर्थिक समस्याओं के समाधान का दावा कर लोगों को अपने जाल में फंसाती थी। डीएफओ अनुराग तिवारी ने बताया कि शिकायत मिलने पर विभाग की टीम ने फर्जी ग्राहक बनकर महिला से संपर्क किया। भुगतान के लिए दिए गए बैंक खातों की केवाईसी जांच में पता चला कि सभी खाते दिल्ली के पते पर पंजीकृत हैं। इससे स्पष्ट हो गया कि महिला उज्जैन की नहीं, बल्कि दिल्ली से पूरा नेटवर्क संचालित कर रही थी। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा उसके बैंक खातों से हुआ। महज छह महीने में खातों में करीब 4 करोड़ रुपये का ऑनलाइन लेन-देन मिला है। अब वन विभाग और साइबर एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि यह रकम वन्य जीवों के अंगों की अवैध बिक्री और लोगों से धोखाधड़ी के जरिए जुटाई गई या इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उज्जैन वन विभाग ने जांच रिपोर्ट, बैंक रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो को भेज दिए हैं। वहां से प्रकरण दिल्ली वन विभाग और स्थानीय पुलिस को सौंपा जा रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही महिला के ठिकानों पर छापेमारी कर उसके नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा। यह मामला न केवल वन्य जीवों की अवैध तस्करी का है, बल्कि धार्मिक आस्था और महाकाल के नाम का दुरुपयोग कर लोगों को ठगने का भी है। जांच एजेंसियों का मानना है कि कार्रवाई आगे बढ़ने पर इस पूरे ऑनलाइन रैकेट से जुड़े कई और अहम खुलासे हो सकते हैं।

## रोजगार मेले में 86 युवाओं का हुआ चयन

**बडवानी /दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासन की रोजगारोन्मुखी योजनान्तर्गत युवाओ को निजी क्षेत्र मे रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु 07 जून को शासकीय महाविद्यालय राजपुर मे युवा संगम (रोजगार मेले) का आयोजन किया गया। जिला रोजगार अधिकारी श्री टीएस डुडवे ने बताया कि युवा संगम में कुल 136 आवेदकों द्वारा पंजीयन कराया जाकर मेले में भाग लिया गया। निजी क्षेत्र की कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा कुल 86 आवेदकों का रोजगार हेतु प्रारंभिक रूप से साक्षात्कार पश्चात चयन की कार्यवाही की गई। रोजगार मेले में प्रतिभा सिन्टेक्स प्रायवेट लिमिटेड पीथमपुर द्वारा 21 युवाओं का, चेकमेट प्रायवेट लिमिटेड बड़ोदा द्वारा 10 युवाओं का, एसबीआई लाईफ इन्श्योरेंस बड़वानी द्वारा 30 युवाओं का, भारतीय जीवन बीमा निगम बड़वानी द्वारा 15 युवाओं का तथा क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड इन्दौर द्वारा 10 युवाओं का चयन किया गया।

## सावन माह में बढ़ जाएगी महाकाल मंदिर में भीड़... चलित भस्म आरती में भी उमड़ेंगे श्रध्दालु

### पिछले साल चलित भस्मआरती के जरिए की गई थी दर्शन व्यवस्था - इस बार भी इसी तरह कराने होंगे दर्शन

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** आगामी 30 जुलाई से सावन माह शुरु हो रहा है और महाकाल दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन उज्जैन पहुंचेंगे और हजारों की संख्या में श्रद्धालु महाकाल की भस्म आरती के दर्शन करना चाहेंगे। सभी को दर्शन मिल सके, इसलिए मंदिर प्रबंध समिति की और से सावन माह में चलित भस्म आरती दर्शन व्यवस्था गत वर्ष लागू की गई थी। इस बार भी इसी तरीके से व्यवस्था की जा सकती है।

सावन माह में भगवान शंकर का विशेष महत्व रहता है। 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रसिद्ध उज्जैन के महाकाल मंदिर में सावन माह में लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन उज्जैन दर्शन करने के लिए आते हैं। महाकाल दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं की यही मनोकामना होती है कि उन्हें महाकाल की भस्म आरती के दर्शन अवश्य हों महाकाल की सुबह होने वाली भस्म आरती में प्रतिदिन 1800 श्रद्धालुओं को अलग-अलग व्यवस्थाओं से अनुमति दी जाती है जिसमें प्रोटोकॉल, ऑनलाइन और मैनुअल तरीके से परमिशन बुकिंग होती है। पिछले वर्ष महाकाल मंदिर प्रबंध समिति द्वारा भस्म आरती की अधिक दर्शन मांग को देखते हुए महाकाल में चलित भस्म आरती दर्शन व्यवस्था शुरू की गई थी। यह व्यवस्था इतनी अच्छी रही थी कि प्रतिदिन 5 से 7 हजार श्रद्धालु दर्शन कर सके थे। वहीं नए वर्ष और विशेष अवसरों पर यह संख्या 18 से 20 हजार तक पहुंच गई थी। चलित भस्म आरती दर्शन व्यवस्था श्रद्धालुओं को फैसिलिटी सेंटर स्थित वीआइपी द्वारा से मंदिर में प्रवेश दिया गया था। यहां से दर्शनार्थी कार्तिकेय मंडपम की आखिरी पंक्ति से दर्शन करते हुए बाहर निकलने की व्यवस्था थी। संभवत- इस बार भी सावन माह में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को भस्म आरती में दर्शन हो सके, इसके लिए हर वर्ष की तरह सावन माह में शनिवार, रविवार और सोमवार को भस्म आरती की ऑनलाइन व्यवस्था को बंद कर दिया जाएगा।

## महापौर द्वारा जोन क्रमांक 2 अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की गई

### बुधवारिया हाट बाजार पर 03 माह में हॉकर्स जोन का कार्य पूर्ण करें- महापौर

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मंगलवार को जोन क्रमांक 02 अंतर्गत महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा जोन अध्यक्ष श्री विजय सिंह कुशवाहा की उपस्थिति में जोन अंतर्गत आने वाले वार्डों में किए जा रहे निर्माण कार्यों, मार्ग चौड़ीकरण कार्यों, योजनाओं से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक की गई साथ ही निर्देशित किया कि बुधवारिया हाट बाजार में 03 माह में हॉकर्स जोन का निर्माण कार्य पूर्ण करें ताकि छोटे एवं फुटकर व्यापारियों को व्यवस्थित और सुरक्षित व्यापारिक स्थान उपलब्ध हो सकें साथ ही जिन कार्यों के टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होकर वर्क आर्डर जारी कर दिए गए हैं किंतु संबंधित ठेकेदारों द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है उन्हें नोटिस दिया जाए यदि नोटिस देने के बाद भी कार्य प्रारंभ ना हो तो अमानत राशि राजसात करें।

महापौर द्वारा बैठक में निर्देशित किया कि जोन अंतर्गत आने वाले वार्डों में महापौर मद, निगम अध्यक्ष मद, पार्षद मद, निगम मद से संबंधित जो भी कार्य शेष हैं उन्हें शीघ्र ही पूर्ण किया जाए विगत 04 वर्षों में जोन अंतर्गत आने वाले वार्डों में जितने भी निर्माण एवं विकास कार्य हुए हैं एवं कितने कार्य बाकी है उनकी जानकारी उपलब्ध करवाई जाए, बारिश के समय को ध्यान में रखते हुए जहां आवश्यकता है वहां पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य संपादित करें साथ ही जोन में आने वाले नागरिकों से विनम्र व्यवहार करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान करें इस दौरान उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, झोनल अधिकारी श्री सुनील जैन, भवन अधिकारी श्री राजकुमार राठौर, उपयंत्री संगीता पंवार, साधना चौधरी, श्री नरेश जैन, श्री दीपेश जैन, सहायक संपत्ति कर अधिकारी श्री भारत मालवीय एवं जोन के कर्मचारी उपस्थित रहे।

## महिदपुर के चमत्कारी जैन मंदिर के शिखर पर एक अद्भुत बिजली का प्रकोप दिखा

**महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** श्री सुमतिनाथ जैन मंदिर एवं दादावाड़ी में सोमवार रात्रि लगभग 11 बजे एक अद्भुत एवं श्रद्धा को दृढ़ करने वाली घटना घटित हुई। मंदिर के शिखर पर आकाशीय बिजली गिरने से शिखर का पिछला भाग क्षतिग्रस्त हो गया, किंतु आश्चर्यजनक रूप से शिखर पर विराजमान स्वर्ण कलश एवं ध्वजदंड पूर्णतः सुरक्षित रहे।

बिजली के प्रहार से शिखर के बड़े-बड़े पत्थर टूटकर नीचे गिर गए और आसपास बिखर गए, लेकिन जहां बिजली गिरी उसी स्थान पर स्वर्ण कलश और ध्वज को कोई क्षति नहीं पहुंची। कलयुग के अंदर इस घटना से ऐसा लगता है कि भगवान के मंदिर के अलावा इधर-उधर भटकने वाले नास्तिक इंसानों को यह बता रहे हैं कि इस कलयुग के अंदर इधर उधर भटकने से अच्छा है कि मेरी शरण में रहोगे तो इस कलयुग के प्रकोप से बच पाओगे भगवान यह बिजली अपने मंदिर के शिखर पर नहीं लेते तो मंदिर के आसपास बहुत सारे रह वासी घर बने हुए हैं जहां पर सैकड़ो लोग अपने घर गृहस्ती के साथ रह रहे हैं उनको बचाने के लिए भगवान ने यह बिजली अपने शिकार के ऊपर ले ली यह दृश्य देखकर जैन समाज के श्रद्धालु इसे दादागुरुदेव की असीम कृपा और जैन धर्म की महिमा का प्रत्यक्ष उदाहरण मान रहे हैं।

श्रद्धालुओं ने बताया कि दादावाड़ी में विराजित प्रथम दादागुरुदेव श्री जिनदत्त सूरीश्वरजी महाराज की महिमा अनंत है। जैन इतिहास में वर्णित है कि अजमेर में पर्यूषण पर्व के दौरान दादागुरुदेव ने कड़कती हुई बिजली को अपने पात्र में शांत कर भक्तों की रक्षा की थी। समाजजनों का विश्वास है कि उसी कृपा का प्रभाव आज भी दादावाड़ी में विद्यमान है।

घटना के समय मंदिर परिसर में कोई उपस्थित नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। इस घटना के बाद महिदपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालु इसे दादागुरुदेव की कृपा का चमत्कारी प्रसंग मानकर श्रद्धाभाव व्यक्त कर रहे हैं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# सीवर चैंबर बना काल.. एक-एक कर उतरे तीन मजदूर, जहरीली गैस ने ली एक की जान

## पीपली नाका पर सीवर सफाई के दौरान बड़ा हादसा, दो मजदूर अस्पताल में भर्ती- सुरक्षा इंतजामों पर उठे गंभीर सवाल, जांच के आदेश

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के पीपली नाका क्षेत्र में मंगलवार को सीवर लाइन की सफाई के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। खुले सीवर चैंबर में जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाईकर्मी बेहोश हो गए। उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक मजदूर की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य का इलाज जारी है। हादसे के बाद नगर निगम की व्यवस्था और ठेका कंपनी की सुरक्षा तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार पीपली नाका से वीर सावरकर मार्ग के बीच सीवर लाइन की सफाई का कार्य ठेका कंपनी द्वारा कराया जा रहा था। सफाई के लिए जेटिंग मशीन का उपयोग किया जा रहा था। इसी दौरान मजदूर अशोक मिश्रा का संतुलन बिगड़ गया और वह खुले सीवर चैंबर में जा गिरा। उसे बचाने के लिए उसके साथी गोपाल और रमेश भी बिना देर किए चैंबर में उतर गए, लेकिन अंदर मौजूद जहरीली गैस की चपेट में आने से तीनों बेहोश हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही जीवाजीगंज थाना पुलिस, रेस्क्यू टीम और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों मजदूरों को बाहर निकालकर चरक अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने अशोक मिश्रा को मृत घोषित कर दिया, जबकि गोपाल और रमेश का उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय क्षेत्र से गुजर रहे पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा भी मौके पर रुक गए और तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू कराया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से काफी मशक्कत के बाद तीनों मजदूरों को सीवर चैंबर से बाहर निकाला गया। मामले में क्षेत्रीय पार्षद हेमंत गेहलोत ने ठेका कंपनी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि इतने जोखिम भरे काम के बावजूद मजदूरों को गैस जांच उपकरण, ऑक्सीजन सिलेंडर, सेफ्टी बेल्ट और अन्य जरूरी सुरक्षा संसाधन उपलब्ध नहीं कराए गए। उन्होंने दोषियों पर कार्रवाई और सभी सफाईकर्मियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने कहा कि सीवर लाइन के रखरखाव और सफाई का कार्य संबंधित कंपनी के जिम्मे है। यदि जांच में सुरक्षा मानकों की अनदेखी या लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मृतक के परिजनों को शासन के नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद शहर में सीवर सफाई कार्य के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानकों पर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि यदि सुरक्षा उपकरणों और तय प्रोटोकॉल का पालन किया जाता, तो शायद एक मजदूर की जान बचाई जा सकती थी।

# देश के पहले पुनर्गठित वक्फ बोर्ड में उज्जैन को बड़ी जिम्मेदारी

## फैजान खान बने सदस्य- 10 सदस्यीय बोर्ड में दो हिंदू सदस्य भी शामिल

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश सरकार ने नए वक्फ अधिनियम-2025 के तहत वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन कर देश में पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री के निर्णय के बाद राज्य शासन ने नई अधिसूचना जारी कर 10 सदस्यीय वक्फ बोर्ड का गठन कर दिया है। नए बोर्ड में उज्जैन के फैजान खान को सदस्य बनाकर शहर को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल बनाए गए हैं। वहीं पहली बार बोर्ड में दो हिंदू सदस्यों को भी शामिल किया गया है। इनमें मनोज मालपानी (इंदौर) और अनिमेश भार्गव (राघौगढ़, जिला गुना) शामिल हैं। सरकार का कहना है कि यह पुनर्गठन वक्फ अधिनियम-1995 (संशोधित-2025) के प्रावधानों के अनुसार किया गया है।

### ये हैं नए वक्फ बोर्ड के सदस्य....

-सनवर पटेल - अध्यक्ष
-श्रीमती नजमा हेपतुल्ला - नई दिल्ली (सदस्य, पूर्व कार्यकाल जारी)
-आतिफ अकील - विधायक, भोपाल
फैजान खान - उज्जैन
-फातेमा चौधरी - इंदौर
-श्रीमती शाइस्ता सुल्तान - पार्षद, बैरसिया (भोपाल)
-श्रीमती शबाना खान - पार्षद, रतलाम
-मनोज मालपानी - इंदौर
-अनिमेश भार्गव - राघौगढ़ (जिला गुना)
-आयुक्त, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग - पदेन सदस्य

सरकार ने स्पष्ट किया है कि श्रीमती नजमा हेपतुल्ला का कार्यकाल 18 अप्रैल 2028 तक प्रभावी है, इसलिए उन्हें शेष कार्यकाल के लिए नए बोर्ड में भी सदस्य रखा गया है।

नए बोर्ड में उज्जैन के प्रतिनिधि के रूप में फैजान खान की नियुक्ति को शहर के लिए अहम उपलब्धि माना जा रहा है। इससे वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन, विकास और संबंधित मामलों में उज्जैन की भागीदारी और भूमिका मजबूत होने की उम्मीद है।

# कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर पिपलीनाका दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों का जाना हाल, बेहतर उपचार के दिए निर्देश

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने पिपलीनाका क्षेत्र में चेम्बर निर्माण कार्य के दौरान हुई दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायल व्यक्तियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कलेक्टर श्री सिंह ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए कि सभी घायलों का सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें सतत् चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए आवश्यक सभी स्वास्थ्य सुविधाएं बिना किसी विलंब के उपलब्ध कराई जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने अस्पताल में भर्ती घायलों के परिजनों से भी चर्चा की और उन्हें हर संभव प्रशासनिक एवं चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है तथा उपचार व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

जिला प्रशासन द्वारा घायलों के उपचार एवं आवश्यक व्यवस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि सभी प्रभावित व्यक्तियों को समय पर समुचित चिकित्सा एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध हो सके।

# जिला अस्पताल की मानसिक रोग ओपीडी डॉक्टर विहीन, रोज 30 से 40 मरीज लौट रहे निराश

## 15 जून को डॉ. राकेश मीणा के तबादले के बाद अब तक नए विशेषज्ञ की नियुक्ति नहीं

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला अस्पताल की मानसिक रोग उपचार ओपीडी पिछले तीन सप्ताह से विशेषज्ञ डॉक्टर के बिना संचालित हो रही है। 15 जून को मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश मीणा के स्थानांतरण के बाद अब तक उनकी जगह किसी नए चिकित्सक की नियुक्ति नहीं की गई है। इसका खामियाजा मानसिक रोगियों और उनके परिजनों को भुगतना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि जिला अस्पताल की मानसिक रोग ओपीडी में प्रतिदिन करीब 30 से 40 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें नए मरीजों के साथ वे लोग भी शामिल हैं, जिनका पहले से इलाज चल रहा है और जिन्हें नियमित दवा व फॉलोअप की जरूरत होती है। लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं होने से मरीजों को बिना इलाज लौटना पड़ रहा है। मानसिक रोगों के मरीजों के लिए नियमित उपचार और समय पर दवा बेहद जरूरी होती है। डॉक्टर की अनुपलब्धता के कारण कई मरीजों की दवा प्रभावित हो रही है, जबकि फॉलोअप नहीं होने से उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने का खतरा भी बढ़ गया है। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भी बेवजह अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। मरीजों और उनके परिजनों ने जिला अस्पताल में जल्द से जल्द मानसिक रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति की मांग की है, ताकि मानसिक रोग उपचार ओपीडी की व्यवस्था फिर से सुचारु हो सके और मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

# बडनगर से लौट रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने कुचला

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** रात में बाइक से लौट रहे ग्रामीण को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। उसे एंबुलेंस अस्पताल लेकर पहुंची जहां उसकी मौत होना सामने आया। पुलिस ने मोबाइल मिलने पर उसकी पहचान करते हुए परिजनों को दुर्घटना की सूचना दी। बताया जा रहा है कि रात में बड़-नगर बदनावर मार्ग ग्राम रतनाखेड़ी में हुई अज्ञात वाहन से दुर्घटना में घायल बाइक सवार को एंबुलेंस चरक अस्पताल लेकर पहुंची थी। जहां परीक्षण के बाद उसकी मौत होना सामने आया। बाइक सवार अज्ञात था उसकी पहचान के प्रयास शुरू किए गए और तलाशी ली गई तो उसकी जेब से मोबाइल मिला। जिसके आधार पर पुलिस में उसकी पहचान गोपी पिता नाथूलाल मकवाना 42 साल निवासी ग्राम धुलेट महिदपुर के रूप में की। रात में ही परिजन अस्पताल पहुंच गए थे। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान पता चला कि गोपी मजदूरी करता था और तीन बच्चों का पिता था। वह बड़नगर के ग्राम मौलाना में रहने वाले अपने मामा ससुर के यहां गया था जहां से वापस महिदपुर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि उसे टक्कर मारने वाला अज्ञात वाहन मौके से भाग निकला था। पुलिस द्वारा वाहन का पता लगाने के लिए दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देख रही है।

# अमृत नगर में लाखों की चोरी, 8 दिन बाद दर्ज किया प्रकरण

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मक्सीरोड अमृत नगर में दिनदहाड़े हुई चोरी के मामले में 8 दिन बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। बदमाश ताला तोड़कर लाखों के आभूषण चुराकर ले गये है। पंवासा थाना क्षेत्र के अमृत नगर में रहने वाली शांताबाई पति मांगीलाल देवड़ा 28 जून को दिन में ढाई बजे घर का ताला लगाकर क्षेत्र में रहने वाले परिवार के यहां काम करने गई थी। कुछ घंटे बाद वापस लौटी तो मकान ताला टूटा था और घर का सामान बिखरा पड़ा था। घर में रखी पेटी भी खुली थी। जिसमें एक सोने का हार, एक जोड़ सोने के कान के टाप्स, सोने के मोती, चार सोने के नाक के कांटे, एक चांदी का कमरबंद, एक जोड़ चांदी के हाथ फूल, कमर का चांदी का झुमका, चांदी के आवले एक जोड़, चांदी की पायल एक जोड़, बिछिया चांदी की तीन रखे हुए थे, जो गायब थे। दिनदहाड़े हुई चोरी की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस पड़ताल के लिये पहुंची और बदमाशों की तलाश का आश्वासन दिया। 8 दिन तक कोई सुराग नहीं मिलने पर सोमवार को मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी गमरसिंह मंडलोई ने बताया कि बदमाशों का पता लगाने के लिये एक टीम गठित की गई है।

## सफाई के दौरान चेम्बर में कर्मचारियों के गिरने की घटना के बाद टाटा प्रोजेक्ट प्रा. लिमिटेड पर निगम ने दर्ज कराई प्राथमिक सूचना

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** टाटा प्रोजेक्ट प्रा. लिमिटेड द्वारा प्रचलित सिवरेज कार्य अन्तर्गत पिपलीनाका क्षेत्र में चेम्बर सफाई से सम्बंधित शिकायत प्राप्त हुई थी जिसके निराकरण हेतु टाटा कम्पनी द्वारा क्लीपिंग मशीन एवं कर्मचारियों को लगाया गया जिनके द्वारा चेम्बर के ढक्कन को खोला जाकर चेम्बर की सफाई का कार्य किया जा रहा था इसी दौरान पैर फिसलने से एक कर्मचारी चेम्बर में गिर गया जिसे बचाने में अन्य दो कर्मचारी भी चेम्बर में उतरे। उपरोक्त तीनो कर्मचारियों को बाहर निकालने हेतु तत्काल राहत कार्य प्रारंभ करते हुए तीनो कर्मचारियों को निकाला जाकर उपचार हेतु चरक अस्पताल में भर्ती किया गया जिसमें टाटा प्रोजेक्ट प्राईवेट लिमिटेड का एक कर्मचारी श्री अशोक को मृत घोषित किया गया तथा शेष दो अन्य कर्मचारी श्री गोपाल एवं श्री रमेश की हालत सामान्य है।

तत्काल संज्ञान में लेते हुए सम्बंधित कम्पनी टाटा प्रोजेक्ट प्रा. लिमिटेड के विरूद्ध जीवाजीगंज थाने में प्राथमिक सूचना दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। उपचार के दौरान एक कर्मचारी श्री अशोक को डाक्टरों द्वारा मृत घोषित किया गया तथा दो अन्य कर्मचारियों का उपचार जारी है तथा दोनो कर्मचारियों का स्वास्थ्य सामान्य है। मृतक कर्मचारी श्री अशोक के परिजनों को सीवर/सेप्टिक टेंक सफाई मित्रो के नियोजन का प्रतिषेध एवं उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 के विहित प्रावधान अन्तर्गत 30 लाख रूपये का आर्थिक अनुदान दिये जाने के निर्देश सम्बंधितों को दिए गए।

# बेलपत्र के पौधों का मनाया जन्मोत्सव, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पूज्य श्री गोपाल राव सोनोने सेवाश्रम के तत्वावधान में विगत 25 वर्षों से चलाए जा रहे पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत 7 जुलाई को पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। हिरदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बेलपत्र के पौधों का जन्मोत्सव मनाने के साथ ही उनका रोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित संतोष शर्मा ने बाबा हिरदेश्वर महादेव का पूजन-अर्चन कर कराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा मंच सत्संग समिति अध्यक्ष मनोहर परमार, गोपाल बगरवाल और वीरेंद्र परमार उपस्थित थे। संचालन श्रीमती सुनीता सोनोने ने किया।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोपण के लिए पौधे भेंट किए गए। श्रीमती पिंकी यादव को विवेकानंद कॉलोनी और श्रीमती लक्ष्मी लश्करी को बहादुरगंज क्षेत्र के शिव मंदिर परिसर में लगाने के लिए बेलपत्र के पौधे दिए गए। इसी कड़ी में श्रीमती नीतू राठौर एवं योगिता आर्य को भी पौधे प्रदान कर उन्हें सुरक्षित रखने और वृक्ष बनने तक निरंतर देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया। संस्था अध्यक्ष प्रेम नारायण टाटावत ने बताया कि पौधों के जन्मोत्सव एवं पौधारोपण के साथ ही संस्था के संस्थापक महेश सोनोने का जन्मदिन भी मनाया गया। उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर और दुपट्टा ओढ़ाकर उनका सम्मान किया और बधाइयां दीं।

इस अवसर पर श्रीमती राजू बागरवाल, श्रीमती सविता शर्मा, श्रीमती रेखा टाटावत, महाकाल शयन आरती अध्यक्ष महेंद्र कटियार, पारस कुमार जैन, अनिल लश्करी, रवींद्र पोरवाल, रूप सिंह बुंदेला, गणपत सिंह राजपूत, दीपक राव और अशोक कपूर सहित अन्य नागरिक उपस्थित थे।

# जनसुनवाई में कलेक्टर श्री सिंह ने नागरिकों की समस्या सुन अधिकारियों को निराकरण के दिए निर्देश

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मंगलवार को कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

ग्राम जयरामपुरा, तहसील घट्टिया निवासी राजलबाई ने आवेदन दिया कि उनकी निजी कृषि भूमि पर कब्जा कर लिया गया है। जिस पर कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जनसुनवाई करते हुए संबंधित तहसीलदार घट्टिया को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए । उज्जैन निवासी संदीप श्रीवास्तव ने आवेदन किया कि पड़ोसी द्वारा फुटपाथ पर अवैध दीवार का निर्माण कर लिया गया है, जिससे वर्षा के दौरान पानी का ठहराव, कीचड़ की समस्या तथा सड़क किनारे यातायात प्रभावित हो रहा है। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम नरसिंगा तहसील बड़नगर निवासी आयुष सुकवाया ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रायोगिक परीक्षा के संचालन में कथित अनियमितताओं एवं शासन की स्कूटी योजना के संबंध में आवेदन दिया।, जिस पर कलेक्टर श्री सिंह द्वारा आवेदन पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।